कमल संदेश

ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

धर्मेन्द्र कौशल

विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-

त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798

Qksu (dk-) : +91(11) 23381428

QSDl : +91(11) 23387887

पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय-सूची

अध्यक्षीय उद्बोधन.. 7

विदेश नीति पर प्रस्ताव.. 12

राजनीतिक प्रस्ताव.. 19

प्रधानमंत्री का उद्बोधन.. 25

अन्य

भाजपा समितियों का गठन.. 27

भाजपा स्थापना दिवस कार्यक्रम.. 28

कमल संदेश के सभी सुधी पाठकों को

बैसाखी

की हार्दिक शुभकामनाएं!

गलती का अहसास

उन दिनों ईश्वरचंद्र विद्यासागर एक संस्कृत कॉलेज के आचार्य थे। एक बार उन्हें किसी काम से प्रेसीडेंसी कॉलेज के अंग्रेज आचार्य कैर से मिलने जाना पड़ा। कैर भारतीयों से घृणा करते थे। जिस समय ईश्वरचंद्र उनके पास पहुंचे, वह मेज पर जूते रख पैर फैलाकर बैठे हुए थे। ईश्वरचंद्र को देखकर भी न तो वह उनके सम्मान में खड़े हुए और न ही उनके अभिवादन का जवाब दिया।

ईश्वरचंद्र ने उस समय तो कुछ नहीं कहा। लेकिन तय कर लिया कि वक्त आने पर कैर को उसकी गलती का अहसास अवश्य कराएंगे। संयोगवश कुछ ही समय बाद कैर को ईश्वरचंद्र से एक काम पड़ गया। वह उनसे चर्चा करने उनके पास पहुंचे। जैसे ही कैर को उन्होंने अपने पास आते देखा, उन्होंने चप्पलें पहनीं और मेज पर पैर फैलाकर बैठ गए।

कैर एकदम सामने आ खड़े हुए, फिर भी ईश्वरचंद्र ने उन्हें बैठने के लिए नहीं कहा। यह देखकर कैर गुस्से से तिलमिला गए और उन्होंने इस दुर्व्यवहार की शिकायत लिखित में शिक्षा परिषद के सचिव डॉ. मुआट से कर दी। मुआट, ईश्वरचंद्र विद्यासागर को भली-भांति जानते थे। फिर भी उन्होंने इस सिलसिले में उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया और कैर की शिकायत का जिक्र किया। कैर वहीं सामने गर्व से सीना तान कर खड़े थे।

डॉ. मुआट की बात सुनकर ईश्वरचंद्र बोले, 'हम भारतीय लोग तो अंग्रेजों से ही शिष्टाचार सीखते हैं। जब मैं कैर से मिलने गया तो ये जूते पहनकर आराम से मेज पर पैर फैलाकर बैठे थे और इन्होंने इसी अंदाज में मेरा स्वागत किया था। मुझे लगा कि शायद यूरोपीय शिष्टाचार ऐसा ही होता है।' यह सुनकर कैर बहुत शर्मिंदा हो गए और उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया।

संकलन : रेनू सैनी

(नवभारत टाइम्स से साभार)

पाथेय

भारत की भी अपनी एक प्रकृति है। उसकी भी एक आत्मा है। उसके साक्षात्कार का प्रयत्न हमारा साध्य होना चाहिए। इसी के द्वारा हम अपनी समस्याओं का समाधान कर सकेंगे, अपने देश की समृद्धि तथा जन के सुख और हित की व्यवस्था कर सकेंगे, तथा मानव की प्रगति में अपना कुछ योगदान दे सकेंगे। इस ध्येय के सहारे ही हम राष्ट्र के जन-जन में प्रबल पुरुषार्थ, त्याग और तपस्या के भाव पैदा कर सकेंगे। इसी स्थिति में उन्हें कर्म की प्रेरणा मिलेगी तथा उस कर्म की आराधना में उनके जीवन का विकास होगा। इसी से उनकी आत्मा को सुख मिलेगा।

पं. दीनदयाल उपाध्याय ('राष्ट्र चिंतन' पुस्तक से साभार)

सम्पादकीय

भाजपा बनी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी

भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक दल बन गई है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जो केवल भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा ही संभव है। दृढ़ संकल्प एवं लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत भाजपा कार्यकर्ताओं की पहचान है। यह न केवल भाजपा के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र तो है ही, अब विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल भी भारत से है। यह लोकतंत्र की जीत है। यह उस लोकतांत्रिक भाव की भी जीत है जिसकी भाजपा प्रतीक है। एक ऐसे समय जब भारत विश्व में अपने उचित स्थान के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है, देश की जनता भाजपा पर अपना विश्वास जताकर इसे विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक दल बना रही है। यह लोकतंत्र के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है जो इस सदस्यता अभियान के माध्यम से जनता को देश के राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जोड़ने के लिए संकल्पबद्ध है। ''साथ आयें, देश बनाएं'' एवं ''सशक्त भाजपा, सशक्त भारत'' के आह्वान का जनता ने खुलकर स्वागत किया है और भाजपा सदस्य बनकर उन्होंने सहर्ष इस अभियान को मजबूती दी है।

भाजपा की सदस्यता 9.5 करोड़ पार कर चुकी है और आने वाले कुछ दिनों में 10 करोड़ का आंकड़ा छू लेगी। आठ करोड़ से कुछ अधिक की सदस्यता का दावा करने वाली चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अब तक विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक दल मानी जाती थी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की इस सदस्य संख्या में वहां की सरकारी कर्मचारी, पदाधिकारी एवं सेना के लोग भी शामिल हैं। साथ ही न तो चीन में लोकतंत्र है और न ही चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को किसी अन्य दल से कोई प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता। वहां की राजनैतिक व्यवस्था में उसका एकाधिकार है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतंत्र है जहां चुनावों में विभिन्न तरह के राजनैतिक दल एक-दूसरे के साथ निरंतर प्रतिस्पर्धा करते हैं। ऐसी परिस्थिति में न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक दल के रूप में उभरना भाजपा के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। अब जबकि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दूसरे स्थान पर है। यह लोकतंत्र के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है जो अब विश्व में सबसे बड़ी राजनैतिक दल देने का दावा कर सकती है। भाजपा की सदस्यता अभियान अभी जोर-शोर से जारी है और इसकी सदस्य संख्या लोगों के भाजपा के प्रति निरंतर बढ़ते उत्साह को दर्शा रही है।

अभी कुछ ही महीने पहले कौन सोच सकता था कि भाजपा जिसे जनता ने लोकसभा में पूर्ण बहुमत दिया विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक दल भी बन जायेगी? जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के इस विराट-अभियान का प्रस्ताव किया तब ही यह स्पष्ट हो गया था कि नेतृत्व का लक्ष्य इस महान देश को एक महान पार्टी देने का है। लक्ष्य बड़ा था और राह कठिन। जिन्हें लक्ष्य प्राप्ति में शक था शायद वो भाजपा कार्यकर्ताओं के समर्पण एवं प्रतिबद्धता से अपरिचित थे। शायद वे नहीं जानते थे कि भाजपा कार्यकर्ता असम्भव को संभव करने में विश्वास रखते हैं। शायद वे संगठन की शक्ति

से अपरिचित थे। पिछले कई दशकों के निरंतर कार्य ने भाजपा की पहचान देश के कोने-कोने में बना दी और यह अब न केवल राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर बल्कि विकास, सुशासन एवं चहुंमुखी प्रगति की प्रतीक बनकर उभरी है जो देश की महान आशा एवं आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है। श्री अमित शाह को संगठन की शक्ति एवं कार्यकर्ताओं के समर्पण पर दृढ़ विश्वास था। वे जानते थे कि इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर इस आह्वान का स्वागत किया। मात्र पांच महिनों में भाजपा को विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल के रूप में देखने का सपना पूरा हुआ।

अब जबकि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है, इसकी जिम्मेदारियां भी कई गुणा बढ़ चुकी है। सबसे बड़ी जिम्मेदारी इस बड़ी संख्या को भाजपा की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ते हुए उनके राजनैतिक समझ में गुणात्मक परिवर्तन कर देश की राजनैतिक व्यवस्था में उनकी भूमिका के संबंध में उनका प्रबोधन करने की आवश्यकता से संबंधित है। पार्टी ने 'महासंपर्क अभियान' एवं 'प्रशिक्षण कार्यक्रमों' की योजना बनाकर नये सदस्यों को सांगठनिक गतिविधियों से जोड़ने का एक विवेकपूर्ण, निर्णय लिया है। इससे जिस उत्साह से नये सदस्य पार्टी से जुड़े हैं, उसी उत्साह से वे पार्टी के महत्वपूर्ण अंग बन पायेंगे। यह बहुत बड़ा कार्य है पर संभव है। इस बड़ी संख्या को पार्टी और देश की राजनैतिक प्रक्रिया से जोड़ना एक वास्तविक चुनौती है। और यदि भाजपा इस कार्य में सफल हो जाती है तो विश्व के सामने यह एक बहुत बड़ा उदाहरण होगा एवं अन्य राजनैतिक दलों के लिए यह एक प्रेरणा देने का कार्य करेगी। जिस तरह से भाजपा ने विश्व में सबसे बड़ी राजनैतिक दल बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त किया, अब इसमें कोई शंका नहीं कि यह इस विशाल संख्या को अपनी गतिविधियों से जोड़कर लोकतंत्र को और अधिक मजबूती देते हुए राष्ट्रीय पुनर्निमाण की प्रक्रिया को तेज करेगी। ■

अटलजी 'भारत रत्न' से अलंकृत

राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी को 27 मार्च को उनके घर जाकर भारत रत्न से अलंकृत किया। भारत के प्रथम नागरिक श्री प्रणब मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में अमिट छाप छोड़ने वाले पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कृष्णमेनन मार्ग स्थित सरकारी आवास पर जाकर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, रा.स्व.संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह व कई केन्द्रीय मंत्रीगण उपस्थित थे। ■

अध्यक्षीय भाषण

भारत की तकदीर बदलेगी भाजपा सरकार : अमित शाह

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक बेंगलुरू 3–4 अप्रैल 2015

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 3 एवं 4 अप्रैल को बेंगलुरु (कर्नाटक) में संपन्न हुई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 3 अप्रैल 2015 को बैठक में सारगर्भित एवं दूरदर्शी अध्यक्षीय भाषण किया। श्री शाह ने अपने उद्‌बोधन में जहां पार्टी को मजबूत बनाने और भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया वहीं विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। भाजपानीत राजग सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि अगले दस-बीस साल तक केंद्र में भाजपा की सरकार रहनेवाली है और भारत की तकदीर बदलने वाली है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण अधिनियम को लेकर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के रवैये की जमकर आलोचना की और कहा कि यह अधिनियम किसानों के पक्ष में है और भाजपा किसानों के लिए कटिबद्ध है। वहीं श्री शाह ने भाजपा के दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने का श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही पार्टी दस करोड़ सदस्य बनाने के लक्ष्य को हासिल कर लेगी। हम अध्यक्षीय भाषण का मुख्य अंश यहां प्रकाशित कर रहे हैं:-

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने बेंगलुरु में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री शाह ने भारतीय जनता पार्टी के विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने का ऐलान किया। साथ ही श्री शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 10 माह की उपब्धियों का ब्यौरा दिया और इस साल बिहार में होने वाले विधान सभा चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आहवान किया।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा की सदस्यता 9 करोड़ 25 लाख के आंकड़े को पार कर 10 करोड़ की ओर तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। इसके लिए हमारे नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और देशभर के करोड़ों-करोड़ों कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई।

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार को 10 महीने पूरे हो गए हैं। इन दस महीनों में देश के माहौल में आमूलचूल परिवर्तन आया है। दस महीने पहले जब यूपीए की सरकार थी तब शायद ही कोई महीना ऐसा होता था जब कोई घपले और घोटाले का खुलासा न हो। हर महीने कोई न कोई घपले और घोटाले के खुलासे से देश की छवि धूमिल हुई। यूपीए-टू के शासन में टूजी घोटाला, कोयला, सीडब्यूलजी, आदर्श, हेलीकॉप्टर, सबमरीन, एयरपोर्ट के कंस्ट्रमक्शन का घोटाला, विमान की खरीद का घोटाला और इसरो का घोटाला। इन सभी घोटालों

में कुल मिलाकर पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक का गबन यूपीए सरकार ने किया। उस समय पूरा देश निराशा की गर्त में डूबा था। पूरे देश के मन में आशंका थी कि हिन्दुस्तान का भविष्य क्या है। हताश और बेरोजगार युवाओं का आक्रोश रोड पर दिखाई देता था। पूरी दुनिया में भारत के प्रति नजरिया बदला। उसके बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई। श्री नरेन्द्र भाई मोदी प्रधानमंत्री बने और अब धीरे-धीरे देश के माहौल में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। दस महीने के अंदर देश में आशा का संचार हुआ है। आज युवा आशान्वित हुआ है। दुनिया में देश के प्रति नजरिया भी बदला है। दुनिया में रह रहे भारतीय गर्व से कह रहे हैं वे भारतवासी हैं। भारत एक नए उत्साह और उमंग के साथ दुनिया में अपना स्थान सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इन दस महीनों में भारत को दुनिया में अग्रिम पंक्ति में खड़ा किया है।

मोदी सरकार गरीबों, किसानों और मजदूरों की सरकार है। यह सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दिखाए मार्ग पर चलकर अंत्योदय के लिए काम कर रही है। 10 महीने से भी कम समय के भीतर 12 करोड़ गरीब परिवारों के बैंक खाते खोलने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। इसी तरह आम बजट में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने एक साल में 12 रुपये में दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा जन धन योजना के सभी खाताधारकों को देने का फैसला किया है।

श्री शाह ने कहा कि वर्ष 2014 भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होने वाला है। इसी साल देश में भारतीय जनता पार्टी की पहली पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और हमारे नेता श्री नरेन्द्र भाई मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। इसके साथ ही हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू कश्मीर में भी चुनाव हुए। इन चारों चुनाव में प्रचंड बहुमत भारतीय जनता पार्टी को मिला है। हरियाणा में पहली बार भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद पर आए। महाराष्ट्र में पहली बार भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बना है। झारखंड में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है और जम्मू कश्मीर में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की साझेदारी वाली सरकार बनाने का गौरव हमें प्राप्त हुआ है।

श्री शाह ने कहा कि हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड की जीत का महत्व तो है ही, मगर हमारे लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण विजय है जम्मू कश्मीर की जीत है। यह विजय जम्मू-कश्मीर की जनता की श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक विनम्र श्रद्धांजलि है। जम्मू कश्मीर में एक गौरव आया है। इसके बारे में हमारे विरोधी अलग-अलग टिप्पणी कर भ्रांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। आप सबके माध्यम से आज पूरे देश की जनता को कहना चाहता हूं कि जम्मू कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी की साझेदारी वाली सरकार बनने का मतलब है कि राष्ट्रवादी ताकतों की शक्ति बढ़ने वाली है और देश की एकता अखंडता सुनिश्चित होने वाली है। भारतीय जनता पार्टी के लिए देश की एकता और अखंडता सत्ता से कई गुना सर्वोपरि रही है। जम्मू कश्मीर में भाजपा की साझेदारी वाली जो सरकार बनी है उससे वहां सर्वसमावेशी विकास के लिए एक नए युग का सूत्रपात हुआ है।

श्री शाह ने कहा कि दर्जनभर जगहों पर भारतीय जनता पार्टी या तो सत्ता में है या सत्ता में साझीदार है। भारतीय जनता पार्टी जहां भी सत्ता में हैं वह गरीबों और अंत्योदय के उदय के लिए काम कर रही है। यही कारण है कि बार-बार हमारी सरकारों को जनादेश प्राप्त हो रहा है। अब केंद्र में भी नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी है। हमें विश्वास है कि श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भी लंबे अरसे तक भाजपा की सरकार रहेगी।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार गरीबों, किसानों और मजदूरों की सरकार है। यह सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दिखाए मार्ग पर चलकर अंत्योदय के लिए काम कर रही है। 10 महीने से भी कम समय के भीतर 12 करोड़ गरीब परिवारों के बैंक खाते खोलने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। इसी तरह आम बजट में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने एक साल में 12 रुपये में दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा जन धन योजना के सभी खाताधारकों को देने का फैसला किया है। इसके अलावा 330 रुपये सालाना में दो लाख रुपये का जीवन बीमा सभी जन धन

योजना के खाताधारकों को मिलेगा। इन दोनों बीमा योजनाओं से देश के 50 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवच देने का काम भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने किया है।

श्री शाह ने कहा कि बेरोजगारी गरीबी की जननी है। जब तक बेरोजगारी दूर नहीं होगी, तब तक गरीब दूर नहीं होगी। इसलिए मोदी सरकार ने बेरोजगारी दूर करने के लिए दो योजनाएं शुरू कीं हैं। इनमें से एक है मेक इन इंडिया। आज पूरी दुनिया की कंपनियां भारत में उत्पादन करने के लिए उत्साह के साथ निवेश की तैयारी कर रही हैं। इससे लाखों-करोड़ों युवाओं को रोजगार मिलने वाला है। बेरोजगारी खत्म करने के लिए भारत सरकार का यह बहुत बड़ा प्रयास है। इसके साथ ही स्किल इंडिया के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार दिलाने का काम भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने शुरू किया है।

श्री शाह ने किसानों के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक अन्नदाता सुखी नहीं होता, तब तक देश का विकास नहीं होगा। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने विश्व व्यापार संगठन में लड़ाई लड़कर किसानों के हितों को बचाने का काम किया। इसके साथ ही सरकार सॉयल हेल्थ कार्ड योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाएं शुरू की हैं।

श्री शाह ने कहा कि जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकारें बनी हैं वहां सभी जगह पर गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून लाकर गौवंश को बचाने का काम किया है। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा का इस संदर्भ में उल्लेख करते हुए इस पहल की सराहना की।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी के नेतृत्व में सरकार ने मजदूरों के कल्याण के लिए भी कई उपाय किए हैं। मजदूरों के लिए पीपीएफ में लचीलापन, न्यूनतम पेंशन, सामाजिक सुरक्षा संबंधी योजनाएं तथा आदिवासी भाइयों के लिए वनबंधु योजनाएं प्रमुख हैं। इसके साथ ही कन्याओं का सुंदर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सुकन्या समृद्धि योजना शुरू की गई है। देश में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार ने मुद्रा बैंक योजना शुरू की है। कोई युवक अपना छोटा कारोबार शुरू करना चाहता है तो वह पांच हजार रुपये से 10 लाख रुपये तक लोन ले सकेगा। इसके लिए सरकार ने आम बजट 20 में हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

जब तक अन्नदाता सुखी नहीं होता, तब तक देश का विकास नहीं होगा। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने विश्व व्यापार संगठन में लड़ाई लड़कर किसानों के हितों को बचाने का काम किया। इसके साथ ही सरकार सॉयल हेल्थ कार्ड योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाएं शुरू की हैं। श्री शाह ने कहा कि जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकारें बनी हैं वहां सभी जगह पर गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून लाकर गौवंश को बचाने का काम किया है। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा का इस संदर्भ में उल्लेख करते हुए इस पहल की सराहना की।

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अटल पेंशन योजना भी शुरू की है जिसका किसान, मजदूर और गरीब को भी पेंशन का लाभ मिलेगा।

श्री शाह ने पूर्ववर्ती यूपीए सरकार के कार्यकाल में देश में पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति के लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद पॉलिसी पैरालिसिसि को खत्म करने का काम किया है। यही कारण है कि आज देश की अर्थव्यिवस्था में बहुत तेजी से सुधार आया है। विकास दर ऊपर गई है, महंगाई कम हुई, पेट्रोल-डीजल के दाम भी कम हुए हैं। विदेशी मुद्रा का भंडार बढ़ा है और आज विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में भारत की गिनती होती है। निवेश करने वालों का भरोसा सरकार की नीतियों में बढ़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने जो कदम उठाए हैं उससे आने वाले समय में भारत विश्व का सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बनेगा।

कालेधन के मुद्दे पर सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में ही कालेधन के मामलों

की जांच के लिए एसआइटी बनाने का निर्णय किया गया। उसके बाद दो ही महीने में जितनी भी सूचना हमारे पास थी उस सूचना को सरकार ने एसआइटी को देने का काम किया है। दो साल पहले सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया था लेकिन उसके बादवजूद यूपीए सरकार ने एसआइटी का गठन नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पहली ही कैबिनेट के पहले प्रस्ताव के माध्याम से एसआईटी का गठन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री जहां भी गए, उन्होंने कालेधन के मुद्दे पर पूरे विश्व को एकजुट करने का प्रयास किया। इतना ही नहीं भारत सरकार की कैबिनेट ने कालेधन की रोकथाम के लिए एक नया कानून बनाने के लिए विधेयक को मंजूरी दी। इसमें वित्तीेय दंड का प्रावधान तो है ही, इसके साथ-साथ कठोर सजा का प्रावधान भी है।

श्री शाह ने कहा कि सरकार ने सबका साथ, सबका विकास के रास्ते पर चलते हुए कई योजनाएं शुरू की हैं। खासकर सांसद आदर्श ग्राम योजना, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, डिजिटल इंडिया इन सभी योजनाओं के माध्यम से सरकार ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में कदम उठाया है।

श्री शाह ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के वक्त हर महीने एक नया घोटाला सामने आता था। वह घपलों और घोटालों की सरकार थी। आज दस महीने के शासनकाल में कोई भी व्यक्ति, हमारे विरोधी भी भारतीय जनता पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगा सकते। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता सीना तानकर जनता के बीच जा सकता है और कह सकता है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार साफ सुथरी सरकार है। हमने भ्रष्टाचार को खत्म करने का जो वादा किया था, वह पूरा करके दिखाया है।

जब यूपीए सरकार के कार्यकाल में बड़े-बड़े घोटालों का खुलासा होता था तो लोग पूछते थे कि क्या इतना बड़ा घोटाला हो सकता है। क्या एक लाख 86 हजार करोड़ रुपये का घोटाला कोयले की खदानों में हो सकता है। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो नीति लाई, जो कानून लाई उससे यह सिद्ध हो गया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार कोयला खदानों की नीलामी के लिए जो कानून और नीति लाई उससे आज देश की तिजोरी में दो लाख करोड़ रुपया कोयला खदानों की नीलामी से आया है। स्पेक्ट्रम की नीलामी से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक धनराशि सरकारी खजाने में आई है। मैं कांग्रेस के लोगों को कहना चाहता हूं कि आंकड़े बताते हैं यूपीए ने कितने बड़े घोटाले किए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार सुरक्षा, समृद्धि, सम्मान, संस्कृति और विश्व बंधुत्व के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में भाषण दिया और संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव किया। भाजपा की सरकार ने भारतीय संस्कृति की पताका पूरे विश्व में फैलायी है। प्रधानमंत्री ने नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों के साथ आस्ट्रेलिया, फिजी और अन्य कई देशों की यात्राएं कर मित्रता की नई शुरूआत की है। विदेश नीति के मोर्चे पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने परचम लहराया है। भारतीय नागरिक पूरी दुनिया में कह सकते हैं कि हम भारत के वासी हैं।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार सुरक्षा, समृद्धि, सम्मान, संस्कृति और विश्व बंधुत्व के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में भाषण दिया और संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव किया। भाजपा की सरकार ने भारतीय संस्कृति की पताका पूरे विश्व में फैलायी है। प्रधानमंत्री ने नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों के साथ आस्ट्रेलिया, फिजी और अन्य कई देशों की यात्राएं कर मित्रता की नई शुरूआत की है। विदेश नीति के मोर्चे पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने परचम लहराया है। भारतीय नागरिक पूरी दुनिया में कह सकते हैं कि हम भारत के वासी हैं।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने संघीय ढांचे को मजबूत करने के लिए योजना आयोग को भंग कर नीति आयोग की स्थापना की है। इसमें राज्यों के मुख्यमंत्रियों को शामिल कर नीति निर्माण में उनकी भूमिका बढ़ाई है। सरकार ने 14वें वित्त आयोग की सिफारिशें स्वीकार करके केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का फैसला किया है। आजादी के बाद संघीय ढांचे को मजबूत करने के लिए इससे बड़ा कदम इससे पहले किसी सरकार ने नहीं उठाया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने पूर्वी राज्यों के विकास के लिए भी कई कदम उठाएं हैं।

भाजपा का कार्यकर्ता सीना तान कर कह सकता है राजग सरकार ने किसानों के अहित में संशोधन नहीं किए हैं। जिस कांग्रेस पार्टी ने 50 साल से अधिक समय अंग्रेजों के कानून को लागू कर करोड़ों किसानों की जमीन हड़पी, उसे हम पर किसान विरोधी आरोप लगाने का कोई हक नहीं है। श्री शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार का चुनाव है। लंबे समय तक बिहार में जंगल राज रहा है। बिहार की जनता भाजपा की ओर आशा से देख रही है। भाजपा के कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि लोगों के बीच में जाएं। भाजपा आने वाले चुनाव में बिहार में संपूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जहां आंतरिक लोकतंत्र काफी मजबूत है। श्री शाह ने कहा कि हमें 10 करोड़ से अधिक सदस्यों को कार्यकर्ता बनाना होगा।

श्री शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 9 अगस्त के भाषण को याद दिलाते हुए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे राजनीति से ऊपर उठकर समाज की सेवा करें और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करें। श्री शाह ने मैला ढोने की कुप्रथा को खत्म करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को आगे बढ़कर योगदान करने का आह्वान किया। श्री शाह ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर ऐसे लोगों से संपर्क करें और उन्हें मैला ढोने के कार्य से मुक्त करें। श्री शाह ने कहा कि भाजपा का दायित्व है कि इस कुप्रथा को खत्म करे। भाजपा के कार्यकर्ता 2016 तक मैला ढोने की प्रथा को खत्म करने का संकल्प लें। श्री शाह ने बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ योजना को भी जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए नमामि गंगे की हर गांव में स्कीम बनाने का आग्रह भी किया।

श्री शाह ने भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधनों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता सीना तान कर कह सकता है राजग सरकार ने किसानों के अहित में संशोधन नहीं किए हैं। जिस कांग्रेस पार्टी ने 50 साल से अधिक समय अंग्रेजों के कानून को लागू कर करोड़ों किसानों की जमीन हड़पी, उसे हम पर किसान विरोधी आरोप लगाने का कोई हक नहीं है।

श्री शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार का चुनाव है। लंबे समय तक बिहार में जंगल राज रहा है। बिहार की जनता भाजपा की ओर आशा से देख रही है। भाजपा के कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि लोगों के बीच में जाएं। भाजपा आने वाले चुनाव में बिहार में संपूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

श्री शाह ने कहा कि दिल्ली में एक नई सरकार बनी है जो जन लोकपाल का नारा देकर सत्ता में आई है। आज स्थिति यह है कि अपने ही लोकपाल को उसने बाहर निकाल दिया है। जो पार्टी आंतरिक लोकतंत्र की बात करती थी, उसने चुन-चुन कर लोगों को निकाला है।

श्री शाह ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वे मोदी सरकार के अच्छे कार्यो को जनता के बीच में लेकर जाएं। जनता की समस्याएं सरकार तथा सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाने में हम जुट जाएं। श्री शाह ने सरकार और पार्टी की बीच समन्वय का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं। ■

विदेश नीति पर संकल्प

भारत का एक उत्तरदायी एवं सम्मानित विश्व शक्ति के रूप में उदय हमारी राष्ट्रीय आकांक्षा

बेंगलुरु (कर्नाटक) में संपन्न भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के पहले दिन सर्वसम्मति से विदेश नीति पर प्रस्ताव पारित हुआ। केंद्रीय शहरी विकास, आवास, शहरी गरीबी उन्मूलन तथा संसदीय कार्यमंत्री श्री वेंकैया नायडू ने विदेश नीति प्रस्ताव प्रस्तुत किया एवं इसका अनुमोदन केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री मनोहर पर्रिकर ने किया।

प्रस्ताव में कहा गया है कि राजग सरकार ने दस महीन के अल्पावधि में विदेश नीति को भारत के एक उत्तरदायी एवं सम्मानित विश्व शक्ति के रूप में उदय के लिए एक बड़े माध्यम के रूप में परिवर्तित कर दिया है।

हम यहां विदेश नीति पर पारित प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं :

विगत दस महीनों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील एवं दृष्टिपूर्ण नेतृत्व में हमारे देश द्वारा विदेश नीति में नई ऊंचाइयां छूने पर भारतीय जनता पार्टी गौरव का अनुभव करती है। प्रधानमंत्री ने उत्साही, सक्रियतापूर्ण एवं अभिनव विदेश नीति का अनुसरण किया है जो हमारी सरकार के राष्ट्रीय आर्थिक विकास को तेज करने से जुड़ा है और विश्व के सबसे बड़े युवा राष्ट्र एवं सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की वैश्विक दायित्वों को निभाने में सक्षम है।

सम्मान- प्रतिष्ठा एवं आदर; संवाद- अधिक नजदीकी एवं बातचीत; समृद्धि- साझा; सुरक्षा- क्षेत्रीय एवं वैश्विक; तथा संस्कृति एवं सभ्यता- सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंध - ये पांच विषय 'पंचामृत' के रूप में हमारे विदेश नीति के पांच स्तंभ हैं।

अंतराष्ट्रीय मामलों में भारत की स्थिति को पुनर्स्थापित करने, सबके साथ भागीदारी का निर्माण करने एवं विदेश संबंधों में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए हमारी सरकार ने दृढ़ता एवं तेजी से विदेशी संबंधों में कदम बढ़ाए हैं। 'पॉवर-ब्लॉक' की राजनीति को अनदेखा कर हर क्षेत्र के सभी देशों से संबंध हमारी वैश्विक आकांक्षाओं के अनुरूप हैं। अपने द्विपक्षीय संबंधों को बिना किसी अन्य देश से प्रभावित हुए मजबूत कर हमने क्षेत्रपरक राजनीति को अप्रासंगिक बना दिया है। हमने सफलतापूर्वक विश्व की सभी बड़ी शक्तियों और हर क्षेत्र के देशों से अपने संबंध प्रगाढ़ किए हैं। हमारे संबंधों की विशेषता है। विचार एवं कार्य की स्वतंत्रता और आत्मविश्वास जो हमारे विरासत से हमें मिला है।

केवल दस महीने के अल्पावधि में हमारे प्रधानमंत्री एवं विदेशमंत्री ने संयुक्त रूप से विश्व के हर भाग के 94 देशों से संवाद स्थापित कर हमारे शांति, भागीदारी एवं समृद्धि के वैश्विक मिशन को नए आयाम दिए हैं।

हमने अपनी विदेश नीति को सफलतापूर्वक राष्ट्रीय आर्थिक लक्ष्य से जोड़ा है ताकि भारत को पूंजी, तकनीक, संसाधन, ऊर्जा एवं कौशल उपलब्ध हो। भारत के प्रति अद्भुत वैश्विक रुचि एवं विश्वास विशेषकर प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' का पहल जो हमारे युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए बनाया गया है, के माध्यम से दिख रहा है। यह आशा की जा रही है कि भारत विश्व-अर्थव्यवस्था का एक सहारा तथा पूरे विश्व में शांति एवं समृद्धि बढ़ाने वाले नेता के रूप में उभरा है।

हमारे आर्थिक विकास को एक सुरक्षित वातावरण, एक शांतिपूर्ण पड़ोस और एक खुला एवं स्थिर वैश्विक व्यापार

व्यवस्था की आवश्यकता है। अपने सार्वभौमिक हितों की सुरक्षा में सक्षम होने के साथ भारत क्षेत्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण कारक बनकर उभरा है। अब जबकि हमने अपने पड़ोस एवं विश्व की ओर हाथ बढ़ाया है हमने अपने सुरक्षा हितों पर स्पष्ट बोलना एवं मजबूती से उनकी रक्षा करने की इच्छा शक्ति भी दिखाई है।

हमारी विदेश नीति आज भारत की पुरातन संस्कृति एवं सभ्यतागत मूल्यों को पूर्व से कहीं अधिक महत्वपूर्ण एवं प्रगाढ़ रूप में परिलक्षित कर रही है। हालांकि हमारे कदम वैश्विक आवश्यकताओं के द्वारा निर्धारित होते हैं, इसकी जड़ें शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के हमारे कालजयी बौद्धिक एवं आर्थिक संबंधों में है। प्रधानमंत्री ने भारत के सभ्यतागत पहचान एवं सांस्कृतिक परंपराओं को पुनर्स्थापित कर विश्व का ध्यान इस ओर इस तरह से आकर्षित किया है जो विश्व के इस सर्वाधिक प्राचीन सभ्यता के अनुरूप है।

भारत आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने बढ़े हुए कद का आनंद उठा रहा है। कोई भी ऐसा महत्वपूर्ण वैश्विक मंच नहीं है जहां देश का प्रेरक संदेश ना पहुंचा हो और ना गुंजा हो। संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री के हिन्दी में भाषण ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी की याद को ताजा कर दिया और राष्ट्रीय स्वाभिमान का अनुभव जो हर देशवासी चाहे भारत या विश्व के किसी अन्य भाग में रहता हो उसे मजबूत किया। संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा परिषद में सुधार के उनके आह्वान ने इन प्रयासों को तेज किया है। उनकी विचारपूर्ण सलाह कि संयुक्त राष्ट्र को अब G&All बन जाना चाहिए ने विश्व समुदाय जो अब तक अनगिनत 'पावर-ब्लॉक्स' में बंटे हुए हैं को सोचने पर विवश किया है।

संयुक्त राष्ट्र में योग के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के घोषणा के उनके आह्वान को रिकार्ड समर्थन मिला एवं यह प्रस्ताव रिकार्ड समय में पारित किया गया। ऊर्जावान नेतृत्व के नए वातावरण से प्रेरित होकर संयुक्त राष्ट्र के हमारे मिशन समेत कूटनीतिज्ञों ने प्रधानमंत्री के प्रस्ताव पर अद्भुत समर्थन जुटाने के लिए कड़ी मेहनत किया। मात्र 75 दिनों में संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्य देशों ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का समर्थन किया एवं प्रस्ताव को पारित किया।

'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारत के सभ्यतागत गुण के अनुरूप हम विश्व में अनेक देशों तक सार्वभौमिक समानता के मार्गदर्शक सिद्धांतों के आधार पर पहुंचे। हमने ईस्ट-एशियन शिखर सम्मेलन (EAS), आसियान+भारत शिखर सम्मेलन, जी-20 शिखर सम्मेलन, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन एवं सार्क शिखर सम्मेलन, हर एक जो हमारे क्षेत्र, एशिया एवं विश्व के लिए महत्वपूर्ण है, में हमने मजबूत नेतृत्व प्रदान किया। ब्रिस्बेन में जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने कालाधन जो ईमानदारी, पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है, पर सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय कार्यवाही की आवश्यकता पर ध्यान केन्द्रित किया। आसियान में दक्षिण चीन सागर समेत सभी समुद्री रास्ते को शांतिपूर्ण, खुला एवं सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

हमने जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक चुनौतियों जो हमारी परंपराओं से जुड़ा है और हमारे ग्रह के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को बढ़ाया है।

'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारत के सभ्यतागत गुण के अनुरूप हम विश्व में अनेक देशों तक सार्वभौमिक समानता के मार्गदर्शक सिद्धांतों के आधार पर पहुंचे। हमने इस्ट-एशियन शिखर सम्मेलन (EAS), आसियान+भारत शिखर सम्मेलन, जी-20 शिखर सम्मेलन, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन एवं सार्क शिखर सम्मेलन, हर एक जो हमारे क्षेत्र, एशिया एवं विश्व के लिए महत्वपूर्ण है, में हमने मजबूत नेतृत्व प्रदान किया। ब्रिस्बेन में जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने कालाधन जो ईमानदारी, पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है, पर सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय कार्यवाही की आवश्यकता पर ध्यान केन्द्रित किया। आसियान में दक्षिण चीन सागर समेत सभी समुद्री रास्ते को शांतिपूर्ण, खुला एवं सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रशांत एवं हिंद महासागर के द्वीप देशों से संबंध विदेश नीति में एक नए आयाम को जोड़ता है। पहली बार प्रधानमंत्री ने 'ब्लॉक ऑफ 14' के छोटे किंतु महत्वपूर्ण दक्षिण प्रशांत द्वीप राष्ट्रों के नेताओं को फीजी के सुवा में गत वर्ष सितंबर में आमंत्रित किया। इसी प्रकार पहली बार हिंद महासागर क्षेत्र के समुद्री पड़ोसी क्षेत्र पर बल दिया जो हमारी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इस वर्ष के फरवरी में सेशल्स, मॉरिशस एवं

श्रीलंका के प्रधानमंत्री के दौरे से हमारे क्षेत्र के तटीय देशों की स्थिरता एवं समृद्धि को बढ़ावा मिला है।

भूटान, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, फीजी, मॉरीशस और श्रीलंका समेत अनेक देशों में हमारे प्रधानमंत्री द्वारा संसद को संबोधित करना हमारे देश के लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को एक बड़ा सम्मान है। भारत लोकतांत्रिक विश्व का ध्रुव तारा बनकर उभरा है।

17 वर्षों बाद नेपाल, 28 वर्षों बाद श्रीलंका, 28 वर्षों बाद ऑस्ट्रेलिया, 33 वर्षों बाद फिजी और 34 वर्षों बाद सेशल्स की यात्रा कर प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों में आये एक बड़े अंतर को भरा है।

पड़ोसी देश

बड़े आकर्षक नारों के बावजूद भारत का पड़ोसी देशों के प्रति नीतियां पिछले दशक में निस्तेज रहा। हमारे एक तरफ अत्यधिक झुकाव से पड़ोस के कई देशों में आशंकाएं उत्पन्न हुई। यह वास्तविकता कि लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ हमारी अनेक समस्याएं हैं इस बात का द्योतक है कि हमने इनके साथ उचित संवाद नहीं किया।

पिछली राजग सरकार ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पड़ोसी देशों के प्रति सकारात्मक नीतियां अपनायी थी जब म्यांमार, बांग्लादेश और पाकिस्तान के साथ हमने अपने संबंध सुधारने के प्रयास किए थे। ये सकारात्मक नीतियां अब पड़ोसी देशों पर उद्देश्यपूर्ण ध्यान केन्द्रित करने से सुदृढ़ हो रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का पड़ोस के साथ साझा भविष्य पर दृढ़ विश्वास- ''हम साथ बढ़ेंगे'' के परिणाम कुछ यथार्थपूर्ण कदमों के रूप में सामने आए हैं। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में सार्क देशों और मॉरिशस के नेताओं को आमंत्रित करना पहला कदम था जिसकी पड़ोसी देशों की सरकारों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। प्रधानमंत्री का भूटान को अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए चुना जाना पड़ोसी देशों के लिए इस नई नीति को दर्शाता है। उन्होंने द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय कार्य के लिए नेपाल, म्यांमार एवं श्रीलंका की यात्रा की और विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को छोड़कर सभी सार्क देशों की यात्रा की। हमारे संबंध इन सभी पड़ोसी देशों से केवल दस महीनों की अल्पावधि में काफी प्रगाढ़ हुए हैं।

पिछले तीन दशकों में भारत, श्रीलंका संबंधों ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। पिछली सरकार द्वारा अदूरदर्शी कदमों से जो घरेलू राजनीति को ध्यान में रखकर लिए गए, ने हमारे द्विपक्षीय संबंधों को खराब किया और हिंद महासागर में समस्याएं खड़ी की। प्रधानमंत्री का इन संबंधों को सुधारने के दृढ़ निश्चय के फलस्वरूप दोनों तरफ से अनेक कदम उठाए गये हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति द्वारा पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद भारत आना हमारी एक बड़ी कूटनीतिक जीत है। हमारी सरकार ने श्रीलंका समाज के हर वर्ग से पुन: संबंध बनाये हैं। हमारे प्रधानमंत्री जाफना जाने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने सहकारी संघवाद पर अपने विचार रखे तथा 13वां संशोधन एवं उसके बाद पर बल दिया।

अनिश्चित 'लुक ईस्ट' नीति को सक्रिय 'एक्ट-ईस्ट' नीति में बदलना हमारी सरकार की समुद्री क्षेत्र की नीतियों की भारी उपलब्धि है। मॉरिशस के राष्ट्रीय सदन को फरवरी में संबोधित करते हुए हमारे समुद्री नीति को प्रधानमंत्री ने इन शब्दों में व्यक्त किया : ''भारत भी समुद्र पर अत्यधिक आश्रित है। हम अपने समुद्री अर्थव्यवस्था को विकसित करने एवं नई संभावनाओं की तलाश में हैं। हम इसे दीर्घकालिक रूप में कर रहे हैं जिससे महासागर की नाजुक परितंत्र को सुरक्षित रखा जा सके। यह सही है कि महासागर में हमारी समृद्धि बढ़ाने और विश्व की चुनौतियों का सामना करने की भारी क्षमता है। इसलिए हम अपने राष्ट्रीय ध्वज में स्थित नीले चक्र को नीली क्रांति के प्रतीक के रूप में देखते हैं, ठीक उसी तरह जैसे केसरिया ऊर्जा क्रांति, श्वेत दुग्ध क्रांति और हरा कृषि क्रांति का प्रतीक है।''

दस महीनों में प्रधानमंत्री के दो बार नेपाल यात्रा से हमारे सबसे महत्वपूर्ण हिमालय में अवस्थित पड़ोसी देश से संबंधों में नया अध्याय शुरु हुआ है। 26-27 नवंबर को काठमांडु में 18वें सार्क शिखर सम्मेलन में हमारे प्रधानमंत्री ने दक्षिण एशिया के सामूहिक समृद्धि पर पुन: बल दिया। उन्होंने भारत के दक्षिण एशिया में सहयोग एवं नजदीकी के प्रयासों को सार्क के अंदर एवं बाहर जारी रखने के दृढ़ निश्चय को बताया। प्रधानमंत्री के दृष्टि एवं पहलों से हमारे दक्षिण एशिया के भागीदारों में आशा की नई किरण का सूत्रपात हुआ है।

नेपाल के साथ हम सहयोग के नए दौर जो कई दशकों से हमसे दूर था, में प्रवेश कर गये हैं। महाकाली संधि पर हस्ताक्षर के लगभग दो दशक बाद हमने अंतत: 5600 मेगावाट बहुद्देशीय पंचेश्वर परियोजना के लिए पंचेश्वर विकास अधिकरण बनाया है। जिससे हमें बिजली, पानी एवं

बाढ़ नियंत्रण में मदद मिलेगी। इसके अलावा जलविद्युत, यात्रा और पर्यटन के लिए कई नए समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

हमने पाकिस्तान के साथ आतंकवाद के खात्मे के आधार पर शांतिपूर्ण एवं भाईचारा की एक स्पष्ट नीति बनाई है। एक समस्या जो एक क्षेत्रीय संकट बन गई हो और तेजी से अंतर्राष्ट्रीय दु:स्वप्न बनती जा रही हो उसपर दोहरा रुख नहीं अपनाया जा सकता। सीमापार/नियंत्रण रेखा के पार से उकसावे और घुसपैठ एवं आतंकवाद के खतरे का हमने दृढ़तापूर्वक जबाव दिया है। इस वर्ष पाकिस्तान दिवस पर हमारे प्रधानमंत्री ने जो संदेश दिया वह स्पष्ट था ''पाकिस्तान के साथ सभी विषयों को आतंक एवं हिंसा से मुक्त वातावरण में परस्पर संवाद से सुलझाये जा सकते हैं।'' आतंक एवं वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते। विदेश सचिव स्तर वार्ता को रद्द करने का हमारा निर्णय जब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के अलगाववादियों से बात कर रहा था और सार्क यात्रा में विदेश सचिव को पाकिस्तान भेजने का निर्णय इस बात को दर्शाता है कि भारत अपने शर्तों जो इसकी राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सामरिक हितों से संबंधित हैं, पर पाकिस्तान से वार्ता करेगा।

समुद्री क्षेत्र

अनिश्चित 'लुक ईस्ट' नीति को सक्रिय 'एक्ट-ईस्ट' नीति में बदलना हमारी सरकार की समुद्री क्षेत्र की नीतियों की भारी उपलब्धि है। मॉरिशस के राष्ट्रीय सदन को फरवरी में संबोधित करते हुए हमारे समुद्री नीति को प्रधानमंत्री ने इन शब्दों में व्यक्त किया : ''भारत भी समुद्र पर अत्यधिक आश्रित है। हम अपने समुद्री अर्थव्यवस्था को विकसित करने एवं नई संभावनाओं की तलाश में हैं। हम इसे दीर्घकालिक रूप में कर रहे हैं जिससे महासागर की नाजुक परितंत्र को सुरक्षित रखा जा सके। यह सही है कि महासागर में हमारी समृद्धि बढ़ाने और विश्व की चुनौतियों का सामना करने की भारी क्षमता है। इसलिए हम अपने राष्ट्रीय ध्वज में स्थित नीले चक्र को नीली क्रांति के प्रतीक के रूप में देखते हैं, ठीक उसी तरह जैसे केसरिया ऊर्जा क्रांति, श्वेत दुग्ध क्रांति और हरा कृषि क्रांति का प्रतीक है।''

यह नई समुद्री नीति हमारी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा तथा एशिया की स्थिरता के लिए अत्यावश्यक है। यह हमारे प्रधानमंत्री के सेशल्स, मॉरिशिस एवं श्रीलंका यात्रा का केन्द्र बिन्दु था।

बड़ी विश्व शक्तियां

अमेरिका, जापान, रूस और चीन जैसी बड़ी वैश्विक शक्तियों के साथ भारत के संबंध पिछले दस महीनों में मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इन विश्व शक्तियों के नेताओं के साथ व्यक्तिगत संबंधों से भारत बड़ी शक्तियों के बीच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है। वार्ता की गहराई एवं स्वरूप से असहमतियां दूर हुई हैं तथा द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय विषयों पर भारत के विचारों को स्वीकारा गया है। जिसके फलस्वरूप हल ढूंढने के लिए साथ- काम करने का निश्चय दृढ़ हुआ है।

जापान के साथ हमारे संबंध विशिष्ट सामरिक एवं वैश्विक भागीदारी के स्तर तक ऊंचे उठे हैं।

दो नए नेताओं के अंतर्गत भारत-चीन संबंध और गहरे एवं मजबूत हुए हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने एक साहसिक एवं व्यावहारिक कदम से विवाद के विषयों को ठंडे बस्ते में डालने वाले चलन को समाप्त करते हुए चीन के साथ सीमा विवाद एवं व्यापार घाटे जैसे सभी अनसुलझे विषयों को वार्ता के केन्द्र में ले आये। राष्ट्रपति शी-जिनपिंग की अति सफल दिल्ली यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों में नये अध्याय की शुरुआत की। उनकी गुजरात यात्रा और उनका हमारे प्रधानमंत्री द्वारा अपने गृह राज्य में गर्मजोशी से स्वागत से यह आशा जगी है कि दोनों

रूस हमारा परखा हुआ मित्र है और हमारी सरकार भारत के विकास एवं रक्षा आवश्यकताओं में इसके योगदान का सम्मान करती है। दिसंबर 2014 में राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की सफल यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी एवं राष्ट्रपति पुतिन अगले दशक में हमारे संबंधों को मजबूत बनाने के लिए 'द्रजमा-दोस्ती विजन' पर सहमत हुए हैं। हमें विश्वास है कि द्विपक्षीय सामरिक भागीदारी हमारे राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ायेंगे तथा क्षेत्र एवं विश्व में शांति एवं स्थिरता के लिए अपना योगदान देंगे। अमेरिका के साथ अपने संबंधों की गति को हमने पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री वाजपेयी द्वारा कभी 'सहज मित्र' कहे जाने के बाद पिछले दस वर्षों में दोनों देशों के संबंध शिथिल पड़ गये थे। हमारे प्रधानमंत्री की पहल एवं राष्ट्रपति ओबामा की सकारात्मक रुचि से भारत-अमेरिका संबंधों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। हमारे प्रधानमंत्री की 'राष्ट्र प्रथम कूटनीति' के लिए प्रतिबद्धता एवं तेजी से संबंध बनाने पर बल को देखते हुए राष्ट्रपति ओबामा ने उनकी 'मैन ऑफ एक्शन' के रूप में प्रशंसा की है।

नेता मजबूत संबंधों को स्थापित कर सकते हैं और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

नई सरकार के पदग्रहण करने के बाद हाल ही में विशिष्ट प्रतिनिधि की पहली चक्र की वार्ता हुई। हमने इस बात पर जोर दिया कि सीमा पर शांति द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए पूर्व शर्त है। चीन के साथ हम संवाद एवं व्यावहारिक सहयोग की नीति पर चलेंगे पर साथ ही इसके बढ़ते आर्थिक एवं सैन्य शक्ति के लिए अपनी रणनीति निरंतर बनाते रहेंगे।

रूस हमारा परखा हुआ मित्र है और हमारी सरकार भारत के विकास एवं रक्षा आवश्यकताओं में इसके योगदान का सम्मान करती है। दिसंबर 2014 में राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की सफल यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी एवं राष्ट्रपति पुतिन अगले दशक में हमारे संबंधों को मजबूत बनाने के लिए 'द्रजमा-दोस्ती विजन' पर सहमत हुए हैं। हमें विश्वास है कि द्विपक्षीय सामरिक भागीदारी हमारे राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ायेंगे तथा क्षेत्र एवं विश्व में शांति एवं स्थिरता के लिए अपना योगदान देंगे।

भारत में आज ऐसी सरकार है जिसमें क्षमता एवं कार्य करने की इच्छाशक्ति है जो विदेश में हुए संकट से अपने नागरिकों को उबार कर सुरक्षित घर वापस लाकर परिवार से मिला सकता है। पिछले दस महीने के दौरान हमने यूक्रेन से 1000 भारतीय छात्रों, इराक से 46 नर्सों समेत 7000 भारतीय मजदूरों को उनके बंदीकर्ताओं के शिकंजों से विपरीत परिस्थितियों में निकाला और लीबिया से 3000 से अधिक नागरिकों को निकाला। सभी निकासी अभियान विदेश मंत्री की व्यक्तिगत देख-रेख में संपन्न हुआ। अब हम यमन से लगभग 4000 नागरिकों को सुरक्षित निकालने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कोई भी संख्या हमारे लिए छोटी नहीं है। कोई भी स्थान सहायता देने के लिए दूर नहीं है। हमारे लगातार प्रयासों एवं बिना रुके दृढ़ता से प्रयास करने से विदेशों में बसे लाखों लोगों में विश्वास एवं आशा का संचार हुआ है। विदेशों में बसे हमारे नागरिक अब भरोसा कर सकते हैं कि अंततः उनकी एक सरकार है जो उसकी आवश्यकता के प्रति जागरुक है।

अमेरिका के साथ अपने संबंधों की गति को हमने पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री वाजपेयी द्वारा कभी 'सहज मित्र' कहे जाने के बाद पिछले दस वर्षों में दोनों देशों के संबंध शिथिल पड़ गये थे। हमारे प्रधानमंत्री की पहल एवं राष्ट्रपति ओबामा की सकारात्मक रुचि से भारत-अमेरिका संबंधों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। हमारे प्रधानमंत्री की 'राष्ट्र प्रथम कूटनीति' के लिए प्रतिबद्धता एवं तेजी से संबंध बनाने पर बल को देखते हुए राष्ट्रपति ओबामा ने उनकी 'मैन ऑफ एक्शन' के रूप में प्रशंसा की है। गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति ओबामा की अति सफल यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा दी है। संयोग से राष्ट्रपति ओबामा हमारे गणतंत्र दिवस पर अतिथि बनने वाले तथा अपने कार्यकाल में दो बार भारत की यात्रा करने वाले प्रथम अमेरिकी राष्ट्रपति बने।

बहुपक्षीय संबंध

हमारे प्रधानमंत्री का बहुपक्षीय कूटनीति में सक्रिय सहभाग से हमें जबरदस्त लाभ मिलने वाला है। दस राष्ट्रों का आसियान विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। क्षेत्र में शांति, समृद्धि एवं स्थिरता के लिए भारत एवं आसियान देशों में गहरी भागीदारी के लिए नई आशा एवं उत्साह है।

बहुपक्षीय मंचों पर हमारे प्रधानमंत्री की गहरी समझ एवं सभी के हित के लिए प्रतिबद्धता से न केवल उनकी प्रशंसा हुई है बल्कि उनके कई मित्र भी बने हैं। म्यांमार में संपन्न एशिया शिखर सम्मेलन में हमारे प्रधानमंत्री ने भारत प्रशांत क्षेत्र के देशों की चिंताओं को रेखांकित किया जब उन्होंने पूर्व के दक्षिण चीनी समुद्र से मध्य-पूर्व के आईएसआईएस के खतरों को स्पष्ट किया।

''दक्षिण चीन सागर में शांति एवं स्थिरता के लिए हरेक को अंतराष्ट्रीय नियमों एवं कानून का पालन करना होगा,'' उन्होंने भाग लेने वाले राष्ट्रों को आगाह किया। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के अवैधानिक एवं खतरनाक इस्लामी राज्य पर घोषणा का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा ''हम पूर्वी एशिया का इस्लामी राज्य पर घोषणा का समर्थन करते हैं। साथ ही आतंकवाद पर समग्र जवाब के लिए सभी प्रकार के आतंकवाद के विरुद्ध एक अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी की आवश्यकता है। जिन्हें मानवता पर विश्वास है उन्हें साथ आना चाहिए।''

ब्राजील का ब्रिक्स शिखर सम्मेलन हो, या ब्रिस्बेन का जी-20 सम्मेलन, हमारे प्रधानमंत्री की बहुपक्षीय कूटनीति अपने पूरे लय में थी जिससे देश को काफी लाभ मिला।

प्रवासी भारतीय

भारतवासियों का 3 करोड़ का मजबूत प्रवासी समूह

पिछले वर्षों में NRIs एवं PIOs दोनों इन वर्षों में पूरी तरह से उपेक्षित रहा है। हालांकि इनमें से अधिसंख्य अपनी मातृभूमि से संबंधों पर गर्व करते रहे, उन्हें देश के लिए एक शक्ति के रूप में देखने का शायद ही कोई प्रयास हुआ। प्रवासी समूह के सदस्य भारतीय वीजा तक के लिए समस्याओं का सामना करते रहे।

पहली बार करोड़ों प्रवासी भारतीयों की आवश्यकताओं एवं शिकायतों को दूर करने के लिए संगठित प्रयास हुए। जहां भी हमारे प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री गये उन्होंने इस समुदाय से विशेषकर संपर्क कर उनसे संवाद किया। अमेरिका एवं ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े देश हो या सेशल्स और मॉरिशस जैसे छोटे द्वीप देश, भारतीय मूल के लोग भारी संख्या में हमारे प्रधानमंत्री से मिलने, उन्हें सुनने एवं उनका अभिनन्दन करने बाहर आये। विदेश में भारतीय समुदाय का उत्साह, ऊर्जा एवं विश्वास पिछले आम चुनाव के बाद भारत के राष्ट्रीय मूड को प्रतिबिंबित करता है।

PIO और OCI को एक करने के हमारे निर्णय का विदेशों में बसे भारतीय समुदाय ने स्वागत किया है। हमारे विदेश के मिशनों में सेवायें बेहतर हुई हैं। आगमन पर वीजा की सुविधा से भारतीय मूल में विदेशी नागरिकों को भारत यात्रा में आसानी हुई है।

युद्ध के जहरीली आग जिसने मध्य पूर्व और अफ्रीका के बड़े भागों को अपने कब्जे में ले रखा है उससे भारत आंखें बंद नहीं रख सकता। सरकारों ने अपना नियंत्रण खो दिया है और सेना और जेहादी मनमानी कर रहे हैं। यह एक मत के प्रधानता के समर्थक और बहुलतावाद के प्रति कटिबद्ध लोगों के बीच का युद्ध है। भारत उस संकट से मुंह नहीं मोड़ सकता जो 21वीं सदी के शांतिपूर्ण आर्थिक प्रगति की संभावनाओं पर खतरा पैदा कर सके। हमें लोकतांत्रिक एवं सभ्य विश्व के साथ आतंकी गुटों और इनके प्रायोजकों को खत्म करने के लिए कार्य करते रहना होगा।

इन कार्यक्रमों की सबसे बड़ी उपलब्धि समुदाय के बीच एकता के रूप में हुई है। प्रधानमंत्री के उन तक पहुंचने के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य उनमें एकजुटता लाना और मातृभूमि की सेवा के लिए उन्हें प्रेरित करना भी रहा है। भारतीय समुदाय न केवल भारत से जुड़ाव का अनुभव कर रहे हैं बल्कि उत्साहपूर्वक नये भारत बनाने के अभियान से जुड़ भी रहे हैं। यही प्रवासी भारतीय दिवस 2015 का सूत्र था जिसे महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के 100वीं वर्षगांठ के रूप में मनाया गया।

यह पहली बार है कि भारत के विकास में विदेश में बसे भारतीयों की भूमिका को सरकार ने औपचारिक तौर से माना है। यह हाल ही में स्थापित नीति आयोग के चार्टर से परिलक्षित होता है।

निकास एवं राहत

भारत में आज ऐसी सरकार है जिसमें क्षमता एवं कार्य करने की इच्छाशक्ति है जो विदेश में हुए संकट से अपने नागरिकों को उबार कर सुरक्षित घर वापस लाकर परिवार से मिला सकता है। पिछले दस महीने के दौरान हमने यूक्रेन से 1000 भारतीय छात्रों, इराक से 46 नर्सों समेत 7000 भारतीय मजदूरों को उनके बंदीकर्ताओं के शिकंजों से विपरीत परिस्थितियों में निकाला और लीबिया से 3000 से अधिक नागरिकों को निकाला। सभी निकासी अभियान विदेश मंत्री की व्यक्तिगत देख-रेख में संपन्न हुआ। अब हम यमन से लगभग 4000 नागरिकों को सुरक्षित निकालने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कोई भी संख्या हमारे लिए छोटी नहीं है। कोई भी स्थान सहायता देने के लिए दूर नहीं है। हमारे लगातार प्रयासों एवं बिना रुके दृढ़ता से प्रयास करने से विदेशों में बसे लाखों लोगों में विश्वास एवं आशा का संचार हुआ है। विदेशों में बसे हमारे नागरिक अब भरोसा कर सकते हैं कि अंततः उनकी एक सरकार है जो उसकी आवश्यकता के प्रति जागरुक है।

समृद्धि के लिए मित्रता- आर्थिक मोर्चे पर उपलब्धियां

प्रधानमंत्री मोदी का विश्वभर में समृद्धि के लिए मित्रता पर जोर देने से हमारी विदेश नीति हमारे आर्थिक पुनरुद्धार का साधन बन गई है। आज जबकि हमारी सरकार भारत में आधारभूत संरचानाओं की कमी की चुनौती के सामना की तैयारी हमारे औद्योगिक क्षेत्र में अगली पीढ़ी के संसाधनों एवं तकनीक को विकसित करके कर रही है, हम जापान सरकार द्वारा अगले पांच वर्षों में 3.5 ट्रिलियन येन का निजी एवं सरकारी निधि जो लगभग 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, चीन के साथ दो औद्योगिक पार्क और 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर और अमेरिका से अगले पांच वर्षों में लगभग 42 बिलियन अमेरिकी डॉलर की प्रतिबद्धता प्राप्त कर चुके हैं।

हमारे 'मेक इन भारत' अभियान को सभी बड़े औद्योगिक देशों में भारी समर्थन मिल रहा है। हमने 'क्लीन एनर्जी' में सहयोग को बढ़ावा दिया है।

ऑस्ट्रेलिया के साथ हमने असैनिक परमाणु सहयोग समझौता पर हस्ताक्षर कर अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है। अमेरिका के साथ हम असैनिक परमाणु समझौते पर आगे बढ़े हैं और एक महत्वपूर्ण भागीदारी समझौते पर हमने हस्ताक्षर किया है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा के बढ़ती आवश्यकताओं के लिए अक्षय ऊर्जा का उपयोग किया जा सके।

प्रधानमंत्री के विदेशों से संबंधों के केन्द्र में कौशल विकास में सहयोग को बढ़ाया, बीमारी पर शोध जैसे अमेरिका के साथ मलेरिया एवं टीबी पर शोध के लिए समझौता, खाद्य सुरक्षा जैसे कि हमारे किसानों के लाभ के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ कृषि अनुंसंधान पर कार्य, अमेरिका के साथ नई पीढ़ी के इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नॉलीजी के लिए समझौता और अमेरिका से हर वर्ष 1000 विश्वविद्यालय शिक्षक भारत में शिक्षा देने के लिए बुलाने पर समझौता। क्योटो-वाराणसी, अहमदाबाद-ग्वांझाऊ, मुंबई-शंघाई जैसे स्मार्ट सिटीज से भारत के तेज होती शहरीकरण की चुनौतियों का स्वीकार करने में सहायता मिलेगी।

यूपीए के द्वारा खोये हुए दशक पर एक नजर से पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में पीछे जाना और दिशाहीनता, पाकिस्तान के साथ संबंधों में अस्पष्टता और हिंद महासागर के द्वीप देशों के प्रति शून्यता दिखाई पड़ती है। यूपीए भारत की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास की आवश्यकताओं को एक तर्कसंगत एवं व्यापक नीतिगत ढांचे में परिवर्तित करने में पूरी तरह असमर्थ रहा।

सुरक्षा के मोर्चे पर उपलब्धियां

प्रधानमंत्री द्वारा स्पष्ट रूप से भारत की स्थिर एवं शांतिपूर्ण एशिया और आसपास के महासागरीय क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय कानून एवं नियमों का व्यापक पालन तथा विवादों के शांतिपूर्ण हल पर जोर का अच्छा असर इस क्षेत्र के अनेक देशों पर हुआ है जो अब हमारे देश को नेतृत्व के स्थान पर आसीन देखना चाहते हैं।

इसमें समुद्री सुरक्षा भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने साइबर सुरक्षा से लेकर अंतरिक्ष सुरक्षा तक की उभरती चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री की विचारपूर्ण कथन कि आतंकवाद की वैश्विक चुनौती के लिए आतंकी समूहों एवं इसके समर्थकों के बीच भेद किये बिना सभी प्रकार के आतंकवाद के विरुद्ध एक समग्र वैश्विक रणनीति की आवश्यकता है और आतंकवाद के प्रायोजकों को अलग-थलग करने एवं राष्ट्र जो इसके विरुद्ध लड़ना चाहते हैं उनकी मदद के उनके आह्वान का उन सबों ने स्वागत किया जो विश्वास करते हैं कि मानवता को इस अस्तित्व की लड़ाई के लिए एकजुट खड़े होना चाहिए। हमारे विदेश संबंधों से सुरक्षा में मुख्य सहयोगियों के साथ संबंध प्रगाढ़ हुए हैं। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के हमारे दावे को पुन: मजबूत किया है और हमें पहले से कहीं अधिक समर्थक मिले हैं।

युद्ध के जहरीली आग जिसने मध्य पूर्व और अफ्रीका के बड़े भागों को अपने कब्जे में ले रखा है उससे भारत आंखें बंद नहीं रख सकता। सरकारों ने अपना नियंत्रण खो दिया है और सेना और जेहादी मनमानी कर रहे हैं। यह एक मत के प्रधानता के समर्थक और बहुलतावाद के प्रति कटिबद्ध लोगों के बीच का युद्ध है। भारत उस संकट से मुंह नहीं मोड़ सकता जो 21वीं सदी के शांतिपूर्ण आर्थिक प्रगति की संभावनाओं पर खतरा पैदा कर सके। हमें लोकतांत्रिक एवं सभ्य विश्व के साथ आतंकी गुटों और इनके प्रायोजकों को खत्म करने के लिए कार्य करते रहना होगा।

निष्कर्ष

यूपीए के दशक में भारत की विदेश नीति राष्ट्र को नीचे की ओर ले गई। इस दौरान नई दिल्ली ने अपनी क्षमता से काफी कम कार्य विदेश नीति के लक्ष्यों के लिए किए और अधिकतर अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत दरकिनार किया गया।

यूपीए के द्वारा खोये हुए दशक पर एक नजर से पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में पीछे जाना और दिशाहीनता, पाकिस्तान के साथ संबंधों में अस्पष्टता और हिंद महासागर के द्वीप देशों के प्रति शून्यता दिखाई पड़ती है। यूपीए भारत की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास की आवश्यकताओं को एक तर्कसंगत एवं व्यापक नीतिगत ढांचे में परिवर्तित करने में पूरी तरह असमर्थ रहा।

हमारी सरकार ने दस महीने के अल्पावधि में विदेश नीति को भारत के एक उत्तरदायी एवं सम्मानित विश्व शक्ति के रूप में उदय के लिए एक बड़े माध्यम के रूप में परिवर्तित कर दिया है। ■

राजनीतिक प्रस्ताव

समावेशी विकास सरकार की प्राथमिकता

बेंगलुरु (कर्नाटक) में संपन्न भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के दूसरे दिन सर्वसम्मति से राजनीतिक प्रस्ताव पारित हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने राजनीतिक प्रस्ताव रखा एवं इसका समर्थन केंद्रीय परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने किया।

प्रस्ताव में भाजपानीत राजग सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा गया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सर्वसमावेशी विकास और सभी वर्गों, क्षेत्रों और नागरिकों की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। वहीं, भाजपा ने संगठन को सशक्त करने के लिए अपने सदस्यों और कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण और प्रबोधन वर्ग आयोजित करने का निर्णय लिया है।

हम यहां राजनीतिक प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:

सन् 2014 का लोकसभा चुनाव भारतीय राजनीति में एक निर्णायक चुनाव सिद्ध हुआ है। इस चुनाव की निर्णायकता और ऐतिहासिकता मात्र इसलिए नहीं है कि इस चुनाव में किसी एक दल, भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला परन्तु यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इस चुनाव से भारतीय राजनीति में व्याप्त अनिश्चितता और अनिर्णय के दौर का भी अंत हुआ है। संयुक्त प्रगितिशील गठबंधन की सरकार के एक दशक, 2004 से 2014, का शासन भारत की संवैधानिक और लोकतान्त्रिक संस्थाओं के क्षय का काल रहा। इस शासन का अंत इस चुनाव ही से हुआ प्रतीत होता है किन्तु यह दिन-प्रतिदिन चल रही सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं का परिणाम था। इस दौर का एक दुखद पहलू यह रहा कि सत्ता के केंद्र में बैठे लोग, जिनके ऊपर भारत के वर्तमान और भविष्य को सँवारने की जिम्मेदारी थी, वे इस जिम्मेदारी के प्रति उदासीन और अकर्मण्य बने रहे। उनका एकमात्र ध्येय कुछ तुच्छ और निजी स्वार्थो की पूर्ती रहा और सारा जोर इस बात पर था कि कैसे वे सत्ता में बने रहे। इस सबकी वजह से भारत के सम्मान और समृद्धि का ह्रास हुआ और भारत की जिस रफ्तार और ढंग से प्रगति होनी थी, वह कई वर्ष पीछे चली गई।

इस असफलता और भ्रामकता के दौर में तीन वृत्तियां मुख्य रहीं। पहली, निर्णय करने में अक्षम नेतृत्व, जिससे नीति-पंगुता व्याप्त हुई, दूसरी घोर भ्रष्टाचार, जिससे भारत की साख गिरी और भारत को घोटालों और भ्रष्टाचार के केंद्र के रूप में जाना जाने लगाय और तीसरी, पारदर्शिता, जबावदेही एवं सुशासन का अभाव, जो मूल रूप से पहली दो परिस्थितियों का ही परिणाम रहा किन्तु इससे भारत की गरिमा और स्वाभिमान को अंतर्राष्ट्रीय जगत में अपूरणीय क्षति पहुंची।

इस सब के साथ यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय जनमानस इस सबको बड़ी गंभीरता और बारीकी से देख और महसूस कर रहा था। जिस किसी भी व्यक्ति में लेशमात्र भी स्वाभिमान और राष्ट्र गौरव शेष था, ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के आत्मविश्वास एवं मनोबल को इन सब वृत्तियों और परिघटनाओं ने भीतर तक झकझोड़ कर रख दिया था। भारतीय जनमानस अपने मूल स्वभाव में ऐसी परिस्तिथियों को स्वीकार नहीं करता है पर ऐसे समय में किसी निर्णायक मत पर पहुँचने से पहले, वह थोड़ा समय भी लेता है। यही वजह रही कि भारतीय जनता पार्टी और श्री नरेन्द्र मोदीजी जैसे कुशल और विराट नेतृत्व के देश में मौजूद होते हुए भी, भारत के जनमानस को निर्णायक मत देने में थोडा समय लगा। पर जब निर्णय

हुआ तो सारे परिमाण और परम्पराएं धरे रह गए। 2014 के लोकसभा चुनाव में भारत की जनता ने पच्चीस सालों के बाद किसी एक दल को पूर्ण बहुमत दिया। उन्होंने स्पष्ट पारदर्शिता, तीव्र विकास और निर्णायक परिवर्तन में समर्थ एक दल और नेता चुना, जिस पर वे सम्पूर्ण विश्वास कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सर्वसमावेशी विकास और सभी वर्गों, क्षेत्रों और नागरिकों की लोकतान्त्रिक प्रक्रियाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। साथ ही इन्हें लागू करने के लिए ठोस कदम भी उठाये हैं। इसमें सबसे पहला और प्रभावी कदम, सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप, राज्यों को अधिक स्वायत्तता और अधिकार देना है, जिससे उनके पास ज्यादा वित्तीय साधन सुनिश्चित हो सकें और राज्य अपनी जरूरतों और विवेक से इन साधनों का उपयोग कर विकास कर सकें। इस महत्वपूर्ण निर्णय से 'टीम इंडिया' की भावना के अनुरूप केंद्र के नेतृत्व में सभी राज्य देश को और मजबूत कर सकेंगे तथा विकास की प्रक्रिया में समस्त नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी।

भारतीय जनता पार्टी की यह कार्यकारिणी, केंद्र सरकार को जनकल्याण के नए कार्यक्रम, मजबूत निर्णयकारी प्रक्रियाओं की शुरुआत और नयी कार्यन्वयनकारी नीतियों के लिए बधाई देती है। भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार ने प्राकृतिक संसाधनों के आवंटन की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। साथ ही, स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए आंदोलनात्मक कार्यक्रम, श्रमिकों के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम, युवाओं के रोजगार और कौशल विकास के लिए योजनायें, कृषि की आय और उत्पादकता बढाने के लिए ठोस प्रयास, आधारभूत संरचना के विकास, आदर्श ग्राम, स्मार्ट सिटी, विद्युतीकरण, डिजिटल कनेक्टिविटी और पूर्वोत्तर के राज्यों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष प्रयास, केंद्र सरकार ने शुरू किये हैं। इनके साथ ही, केंद्र सरकार ने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्त्व के स्थलों का पुनर्रुधार कर, राष्ट्रीय गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रभावी कार्यक्रम शुरू लिए हैं।

भारतीय जनता पार्टी आज देश के सभी सामाजिक वर्गों और भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार पा चुकी है। हिमालय की चोटियों में बसे कश्मीर से हिन्द महासागर के तट और कच्छ के रण से अरुणाचल की प्रात: लालिमा तक, भारतीय जनता पार्टी आज नौ करोड़ सदस्यों की संख्या पार कर, विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल बनने का गौरव प्राप्त कर चुकी है। देश-समाज के प्रत्येक अंग की पार्टी की मौजूदगी और सहभागिता स्थापित करने के लिए, यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रभावी नेतृत्व और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री अमित शाह के अप्रतिम संगठन कौशल को बधाई देती है। हमारे संगठन, हमारे कार्यकर्ताओं और हमारे नेताओं ने इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पिछले कई महीनों में अथक परिश्रम किया है।

भारतीय जनता पार्टी ने मई 2014 के लोकसभा चुनावों में ऐतिहासिक विजय के बाद झारखण्ड, हरियाणा एवं महाराष्ट्र में चुनाव जीते और हमारे मुख्यमंत्रियों ने सरकारें बनायीं हैं। हमने जम्मू-कश्मीर में भी अपने गठबंधन साथी पीडीपी के साथ सरकार बनायी है जो कश्मीर घाटी और जम्मू के सम्मिलन का एक नया आयाम है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और आसाम में भारतीय जनता पार्टी ने पंचायतों और शहरी निकायों के चुनावों में नयी सफलताएं प्राप्त की हैं। भारतीय जनता पार्टी आज पंचायत से संसद तक, हर तरफ विस्तार पा चुकी है और यह विस्तार अपनी पूरी गति के साथ प्रवाहमान है।

भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव जीते और इन प्रदेशों में हमारे मुख्यमंत्री बने हैं। हरियाणा में पार्टी ने 90 सीटों में से 47 सीटों पर जीत दर्ज की और 2009 की तुलना में हमारा मत प्रतिशत 9.04 प्रतिशत से बढ़कर 33.24 प्रतिशत हो गया है। लगभग 25 प्रतिशत की यह वृद्धि अपने आप में एक उपलब्धि है। राज्य में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बना है। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी ने 261 सीटों पर चुनाव लड़ा और 122 सीटें जीतीं। 2009 के 14.02 प्रतिशत मतों की तुलना में 2014 में भाजपा को 27.8 प्रतिशत मत मिले। यहाँ भी पहली बार हमारे मुख्यमंत्री बने हैं। इसी तरह झारखंड में 42 सीटों के साथ बनी भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार, राज्य में पहली पूर्ण बहुमत की सरकार है। साथ ही, पिछले चुनाव की तुलना में 15 प्रतिशत मतों की भी बढ़ोतरी हुई है। जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा ने पहली बार, अपने सहयोगी दल पी.डी.पी. के साथ मिलकर सरकार बनायीं है। यहां भी हमारे मतों में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही, पश्चिम बंगाल में हुए उपचुनाव में जीत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी पहली बार पश्चिम बंगाल विधान सभा में दाखिल हुई है। राज्य के एक अन्य विधान सभा क्षेत्र के उपचुनाव में भी

भाजपा का वोट प्रतिशत कई गुणा बढ़ा है। हमारी पार्टी समाज के सभी वर्गों व देश के सभी क्षेत्रों में अपना जनाधार लगातार बढ़ाती जा रही है।

विभिन्न राज्यों में नगर निकायों और पंचायत चुनावों में भी हमने नई सफलताएं पाई हैं। असम में जहाँ हमारी उपस्थिति बहुत सीमित थी, वहां हमने 42 नगर समितियों में से 24 तथा 32 म्युनिसिपिल कौंसिल में से 19 में सफलता प्राप्त की है। हमारे पार्षदों की संख्या रिकार्ड स्तर तक पहुंच गई है। हमने कुल 746 वार्ड में चुनाव लड़ा और 357 में विजय प्राप्त की। पंजाब में हमने जिन 764 वार्डो में लड़ा, वहां हमने 365 वार्डो में जीत हासिल की। यहाँ अपने गठबंधन साथी शिरोमणि अकाली दल के साथ हमने 2041 में से 1319 म्युनिसिपिल वार्डो में जीत प्राप्त की है। राजस्थान में हमारा आधार न केवल नगरीय क्षेत्रों में और फैला है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के नए हिस्सों में भी भारतीय जनता पार्टी का विस्तार हुआ है। हमने राज्य में कुल 46 नगर निगमों का चुनाव लड़ा, जिसमें से 40 में हमारे महापौर (मेयर) बने हैं। साथ ही जिन 1696 वार्डो में हमने चुनाव लड़ा है उनमें से 930 म्युनिसिपिल वार्डो में भाजपा को जीत मिली है। इसी प्रकार, 33 जिला परिषदों में भारतीय जनता पार्टी के 21 जिला प्रमुख और 24 उप-जिला प्रमुख जीते हैं। भाजपा के पंचायत समिति सदस्यों की कुल संख्या, जो 2009-10 में 1810 थी, अब 2014 में बढ़कर 3018 तक पहुंच गई है। मध्य प्रदेश में 14 में से 14 नगर निगमों में भारतीय जनता पार्टी के मेयर जीते हैं। यहाँ 118 नगर पंचायत अध्यक्ष पदों पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जीते हैं जबकि 2009 में यह संख्या मात्र 98 थी। राज्य के पंचायत चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी को इस साल अच्छी सफलताएं प्राप्त हुई हैं।

केन्द्र की भाजपा सरकार ने प्राकृतिक संसाधनों में आवंटन के लिए पारदर्शी नीति बनाकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। हाल में देशभर में कोयला खदानों के 'ई-ऑक्शन' से न केवल दो लाख करोड़ रुपए से अधिक राष्ट्रीय कोष में आए हैं अपितु इससे प्राकृतिक संसाधनों के पारदर्शी एवं ईमानदार आवंटन का एक उदाहरण भी प्रस्तुत हुआ है। इस प्रक्रिया की अनूपता मात्र यही नहीं है। यह आवश्यक है कि इस प्रक्रिया से निकले कुछ अनूठे तथ्यों को सामने लाया जाए। इन प्राकृतिक संसाधनों का एक बड़ा भाग उन राज्यों को जायेगा जिनमें ये पाए जाते हैं जिससे इन राज्यों को और अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे।

भारतीय जनता पार्टी का मार्ग, प्रतिबद्धता और संघर्ष का मार्ग रहा है। आज जो विश्वास भारत की जनता ने हमारी पार्टी पर जताया है, उसे अर्जित करने में पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं के अथक परिश्रम और बलिदान किये हैं। श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री लाल कृष्ण आडवानी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने समाज में लोकतान्त्रिक मूल्यों की स्थापना और सभी वर्गों और समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास लगातार जारी रखा है। ऐसे मूल्यों की लडाई जारी रखने और समाज के प्रति योगदान के लिए, श्री अटल बिहारी वाजपेयी को 'भारत रत्न' से और श्री लाल कृष्ण आडवाणी को पद्म-विभूषण से प्रतिष्ठित करके इस सरकार ने वास्तव में भारतीय जनमानस की भावनाओं और गरिमा को प्रतिष्ठित किया है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी की यह राष्ट्रीय कार्यसमिति, केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करती है।

करोड़ों-करोड़ भारतवासी, जो आज अपने अतीत के स्वर्णिम गौरव और थाती से वंचित हैं, उनकी आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने पिछली सरकार के भ्रष्टाचार, कुशासन और गैर-जिम्मेदारी से उपजी तमाम सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों को, इस शासन के साथ स्वीकार किया है। भारतीय जनता पार्टी इस जिम्मेदारी को स्वीकार कर प्रसन्न है क्योकि देश ने हम पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। केंद्र की हमारी सरकार 'राउंड द क्लॉक - राउंड द इयर' और संगठन के हमारे तमाम कार्यकर्ता-नेता सिर्फ एक ही लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं कि कैसे हमारे हर नागरिक के चेहरे पर हंसी आये और कैसे हम समाज के अंतिम आदमी तक विकास की धारा को पहुंचा सकें। पं. दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म-मानववाद के दर्शन और विचार का सार हम यही समझते हैं। इस वर्ष पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्म-शताब्दी भी शुरू होने जा रही है और हमारा लक्ष्य यही है कि कैसे हम अपने आचार और विचारों में एकरूपता लाकर आज के यथार्थ को बदल सकें।

भारतीय जनता पार्टी की यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी केन्द्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को जनता के साथ भागीदारी, विभिन्न माध्यमों के द्वारा आकांक्षाओं एवं आशा को समृद्धि एवं प्रगति के साथ 'सबका साथ, सबका विकास'

सुनिश्चित करने के लिए बधाई देती है। इस सरकार के सभी कदम, संविधान के ढांचे का उपयोग कर राष्ट्र के विकास में वृहत्तर जनभागीदारी के द्वारा आर्थिक लोकतंत्र को सुनिश्चित करने की ओर बढ़ रहे हैं।

भाजपा-नीत केन्द्र सरकार श्री नरेन्द्र भाई मोदी के विश्वसनीय एवं प्रगतिशील नेतृत्व में सर्वसमावेशी एवं न्यायसंगत विकास पर आधारित नीतियों एवं सिद्धांतों के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रही है। भारतीय जनता पार्टी ने संवाद, सहयोग एवं समन्वय को व्यावहारिक राजनैतिक दर्शन के रूप में आत्मसात् किया है। आज यदि सुशासन हमारे देश की चुनावी राजनीति में एक प्रमुख मुद्दा बना है, तो यह भाजपा की पहल की वजह से है जिसने अलग-अलग समय और स्थानों में अपनी सरकारों के कार्यकलापों और अपनी नीतियों एवं सिद्धांतों से इस विषय को प्रासंगिक और अवश्यम्भावी बनाया है। केंद्र सरकार ने उत्तरदायी शासन, पारदर्शिता एवं प्रक्रियात्मक सरलता के लिए ऐतिहासिक एवं अद्भुत निर्णय लिए हैं। दस महीने की छोटी सी अवधि में केंद्र सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था और संस्थाओं की खोई हुई विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित और साधारण जन की गरिमा और प्रतिष्ठा के लिए कार्य कर, विदेशों में भी अपनी साख का लोहा मनवाया है।

केन्द्र की भाजपा सरकार ने प्राकृतिक संसाधनों में आवंटन के लिए पारदर्शी नीति बनाकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। हाल में देशभर में कोयला खदानों के 'ई-ऑक्शन' से न केवल दो लाख करोड़ रुपए से अधिक राष्ट्रीय कोष में आए हैं अपितु इससे प्राकृतिक संसाधनों के पारदर्शी एवं ईमानदार आवंटन का एक उदाहरण भी प्रस्तुत हुआ है। इस प्रक्रिया की अनूपता मात्र यही नहीं है। यह आवश्यक है कि इस प्रक्रिया से निकले कुछ अनूठे तथ्यों को सामने लाया जाए। इन प्राकृतिक संसाधनों का एक बड़ा भाग उन राज्यों को जायेगा जिनमें ये पाए जाते हैं जिससे इन राज्यों को और अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे। खान एवं खनिज के इस नए कानून, जिसे हमारी सरकार लायी है, के अंतर्गत जिला निगरानी समिति भी बनाई जा रही है जिससे समाधान और न्याय सुलभ हो सके। इसी प्रकार से टेलीकॉम क्षेत्र में स्पैक्ट्रम की नीलामी में हमने सीएजी द्वारा बताए गये राजकोषीय घाटे और संप्रग सरकार के तत्कालीन 'प्रबंधकर्ताओं' के 'शून्य-घाटा' के दावों से कहीं अधिक राशि प्राप्त की। हम स्पैक्ट्रम आवंटन से अब तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त कर चुके हैं।

केंद्र की भाजपा-नीत सरकार ने न केवल देश की अर्थव्यवस्था बेहतर की है, बल्कि न्यायिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में नया कानून भी लायी है। इससे शीघ्र और उचित न्याय मिलेगा तथा कानूनों को सही ढंग से लागू किया जा सकेगा। पिछली संप्रग सरकार के अपारदर्शी व अनुत्तरदायी नेतृत्व के चलते समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए हमारी सरकार कई नए कानून लाई है जिससे पारदर्शिता के साथ काम किया जा सके।

गरीबी और बेरोजगारी को सर्वसमावेशी विकास के बिना कम नहीं किया जा सकता, इसके बिना इसका समाधान मुश्किल है। देश के विकास के साथ, रोजगार की उपलब्धता बढ़ेगी। किसी भी सरकार के लिए विकासपरक वातावरण सुनिश्चित करना सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण लक्ष्य है। नए जीडीपी अंकों के कारण पुरानी शृंखला से तुलना अब कठिन है। नई शृंखला के अनुसार 2012 में सकल घरेलू उत्पाद दर 4.8 प्रतिशत तथा 2013-14 में 6.8 प्रतिशत थी। इसी आधार पर सरकार ने काम करना शुरू किया है। विकास की प्रक्रिया की एक गति होती है परन्तु हमारे देश में पिछले एक दशक के शासन में संप्रग सरकार की नीतियों के कारण हमारा देश काफी पिछड़ गया है। इसके बावजूद 2014-15 में विकास दर 7.4 प्रतिशत रही और 2015-16 में 8.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। इससे भारत विश्व में सबसे ऊँचे विकास दर वाली अर्थव्यवस्था बन रहा है, जो चीन से भी आगे है। विकास केवल एक संख्या नहीं है। इसका मतलब रोजगार है। संप्रग सरकार ने भिक्षा एवं खैरात की एक विरासत छोड़ी है जो गरीबी का पुनर्वितरण है। इस सरकार ने इस मानसिकता को बदल कर विकास की तरफ मोड़ा है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 340 बिलियन अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर है और रुपया अन्य विदेशी मुद्राओं के मुकाबले 6.4 प्रतिशत मजबूत हुआ है।

भाजपा ने अपने घोषणापत्र में देश में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने का वादा किया था जो इसने योजना आयोग के पारम्परिक विचार का अंत कर, नीति आयोग की पहल से पूरा किया है। यह केन्द्र-राज्य के बीच सहकार एवं भागीदारी को बढ़ावा देगा। 14वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर केन्द्र ने राज्यों का हिस्सा 10 प्रतिशत बढ़ा कर 32 प्रतिशत से 42 प्रतिशत कर दिया है। इससे न केवल राज्यों को अधिक धन मिलेगा बल्कि आवंटन एवं अन्य निर्णय प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी होगी। हमने देश के उत्तर-पूर्व

क्षेत्र की जनता को मुख्यधारा में लाने के लिए इस क्षेत्र के लिए विशेष योजना एवं प्रावधानों के लिए कार्य करने शुरू किए हैं।

केन्द्र सरकार ने महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों में केन्द्रीय सहायता जारी राखी है। इसीलिए 2015-16 में कुल उपलब्ध जन संसाधनों का 42 प्रतिशत राज्यों को जाएगा और उनके द्वारा खर्च किया जाएगा। यह राज्यों पर निर्भर करेगा कि वे इसे किस प्रकार के जन कल्याण एवं सेवा कार्यों और योजनाओं में खर्च करें। अधिकतर ये जनकल्याण एवं सेवा कार्य स्थानीय निकायों द्वारा उपलब्ध कराये जाते हैं और गरीबों के लिए बाजार आधारित अवसरों के लिए आवश्यक हैं। परन्तु केन्द्र सरकार द्वारा राशि प्राप्त करने के बाद यह राज्यों पर है कि ये संसाधन नीचे की ओर शहरी निकायों एवं पंचायतों तक पहुंचे। वह राशि जो इनके अलावा एवं किसी से जुड़ी नहीं है और केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के द्वारा भेजी गई हैं, अक्सर होता है कि इन पर केन्द्र निर्णय करता है। लेकिन संघवाद की भावना के अनुरूप केन्द्र सरकार ने मुख्यमंत्रियों की उपसमितियां (नीति आयोग के माध्यम से) केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं को पुनर्गठित करने के लिए बनाई है। कौशल विकास एवं स्वच्छ भारत अभियान के लिए ऐसी ही उपसमिति बनाई गई है। इन पहलों का गरीबी दूर करने की योजनाओं के क्रियान्वयन पर भारी असर पड़ेगा। इससे केन्द्रीय संस्थागत तंत्र, जिसे दिल्ली में सोचा और बनाया गया था, पूरी तरह उलट गया है।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से बैंकों की पहुंच से बाहर जनसंख्या को बैंक खाते उपलब्ध कराने के प्रयासों की प्रशंसा करती है। गरीबों की आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय उत्पादों को सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री जनधन योजना को पेंशन एवं बीमा उत्पादों से जोड़ा गया है। अब तक, प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 12.5 करोड़ खाते खोले गये हैं। 80 करोड़ से अधिक लोगों को आधार कार्ड दिया जा चुका है और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़ा जा रहा है। न केवल एलपीजी सब्सिडी बल्कि पेंशन और स्कॉलरशिप आदि के मामलों में भी बैंक खातों में सीधा हस्तांतरण शुरू हो चुका है।

भाजपा-नीत केन्द्र सरकार ने काले धन पर विधेयक लाने के अपने चुनावी वायदे को भी पूरा किया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संप्रग सरकार ने माननीय उच्चतम न्यायालय के 2011 के काले धन पर एसआईटी निर्देशों का पालन नहीं किया। हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही एसआईटी का गठन किया। सरकार ने विदेशी बैंकों में जमा काले धन को वापस लाने के कूटनीतिक प्रयास भी शुरू किये हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी-20 के सम्मेलन में गये और काले धन एवं ड्रग-ट्रैफिकिंग पर संयुक्त घोषणा करने के लिए सभी को तैयार किया।

भारतीय जनता पार्टी इस तथ्य को भलीभांति समझती और महसूस भी करती है कि मानवता के विकास के लिए बेहतर सामाजिक व आर्थिक स्थितियों का होना जरूरी है। समाज के हर वर्ग तथा प्रत्येक व्यक्ति के आत्मविश्वास और स्वाभिमान को सवंर्धित एवं सुनिश्चित करने के लिए हम समावेशी विकास की दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं।

हमारी जनसंख्या का एक बड़ा भाग स्वास्थ्य, दुर्घटना एवं जीवन बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा से वंचित है। समाज के पेंशन-हीन वर्ग के साथ साथ सभी भारतीयों विशेषकर गरीब एवं वंचितों के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रारम्भ करने की दिशा में भाजपा की सरकार ने कार्य शुरू किया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत एक रुपया महीने में दो लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा किया जायेगा। इसी प्रकार अटल पेंशन योजना एक अंशदायी कार्यक्रम है, जिसमें अंश के अनुपात में पेंशन तय होगी, शुरू किया जा रहा है। इसमें सरकार भी पांच वर्षो तक प्रीमियम का 50 प्रतिशत (एक हजार रुपये तक) जमा कराएगी। इसी प्रकार का एक अन्य प्रयास प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना है जिसमें 330 रुपये प्रतिवर्ष प्रीमियम पर दो लाख रुपये तक का प्राकृतिक एवं दुर्घटना बीमा उपलब्ध होगा।

पिछले कुछ दिनों में देश के बड़े भाग में बेमौसम बारिश से लाखों हेक्टेयर के खड़ी फसल को नुकसान हुआ है। इसी प्रकार से देश के कुछ भागों को सूखे का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों परिस्थितियों ने हमारे किसानों एवं कृषि को नुकसान पहुंचाया है। हमारी सरकार ने इस कठिन समय से लड़ने के लिए महत्त्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। साथ ही, सरकार ने कृषि के विकास एवं सुधार, किसान एवं कृषि पर आश्रित अन्य लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा, गांवों में आधारभूत संरचना के विकास, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के विकास एवं गांवों के भूमिहीन वर्गों के लिए नई योजनाएं शुरू की हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड इसी तरह का एक अनूठी पहल है जिसे 'स्वस्थ-मृदा, खेत-हरा' के नारे के साथ शुरू किया गया है, ताकि मिट्टी का स्वास्थ्य एवं उत्पादकता सुनिश्चित हो।

1894 में जो भूमि अधिग्रहण कानून बना, उसमें से किसान और सामान्य जन – विरोधी प्रावधानों को हटाने का काम हमारी सरकार ने किया है। 121 सालों में कांग्रेस पार्टी को हमारे किसानों और गरीबों की सुध नहीं आई बल्कि 1984 में कांग्रेस ने सरकार द्वारा निजी कम्पनियों के लिए भूमि अधिग्रहण करने का परिवर्तन इस कानून में किया। हमने सिर्फ सामरिक और कुछ अन्य जनहित उद्देश्यों को छोड़ कर नए कानून में ये प्रावधान समाप्त कर दिए हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने लोकहित के प्रयोजनों के लिए भूमि अधिग्रहण के कानूनों को समरूप किया है। अभी तक तेरह अलग अलग तरह के कानून/अधिनियम लागू थे और भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों को लम्बे समय तक मुआवजे आदि के लिए सरकारी कार्यालयों और न्यायालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इस प्रक्रिया को सरल किया गया है। इसमें प्रभावित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान भी है और इसमें कुछ नए तथा सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान भी हैं। सरकार ने कुछेक परियोजनाओं की अधिग्रहण प्रक्रिया को सरल बनाया है और रक्षा परियोजनाएं, राष्ट्रीय सुरक्षा, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, विद्युतीकरण, गरीबों के लिए सस्ते घर, कॉरिडोर को ध्यान में रखते हुए विशिष्ट सीमा वाले औद्योगिक उपयोग आदि के लिए ही अब सरकार जमीन अधिग्रहीत करेगी। इस अधिनियम में जिला स्तर पर अधिकरणों की स्थापना का प्रावधान भी है ताकि भूमि अधिग्रहण सम्बन्धी सभी मामलों का निपटान वहीं का वहीं हो जाये। इस बात का ध्यान रखना होगा कि आधारभूत ढांचे का विकास आज की आवश्यकता है।

किन्तु यह दुर्भाग्य है कि वही कांग्रेस पार्टी इस बिल का विरोध कर रही है जिसने इस देश में ब्रिटिश सरकार द्वारा लाए गए भूमि अधिग्रहण कानून को 121 वर्षो तक जनहित के लिए बदलने की परवाह नहीं की। अब यही पार्टी इस प्रगतिशील कानून का विरोध कर रही है जिसमें सामाजिक सुरक्षा के कहीं बेहतर प्रावधान हैं, जिसका एक मात्र कारण राजनीतिक है और देश के लोगों में भ्रम फैलाना है। परन्तु भारत की जनता इस बार कांग्रेस के इस सफेद झूठ को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि लोग कांग्रेस के इस सच को जान चुके हैं। हम इस बात से भलीभांति अवगत हैं कि यह समय विकास की राजनीति और अवरोध की राजनीति के बीच के संघर्ष का है। वंशवाद तथा बांटने की राजनीति करने वाले दल वैकल्पिक राजनीति देने का दावा कर रहे हैं, जो सिर्फ राजनीतिक अपवंचना है। वे आपस में लड़ रहे हैं और देश व देशवासियों के असल संघर्ष से नदारद हैं।

अमृत महोत्सव, देश की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष, वर्ष 2022 के लिए हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'टीम इंडिया' ने एक उत्कृष्ट सर्वसमावेशी संयोजना बनाई है। इनका लक्ष्य है – भारत में हर परिवार के लिए एक घर, 24 घंटे बिजली, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, हर घर का सड़क को सड़क से जोड़ना, रोजगार की उपलब्धता, परिवार के कम से कम एक सदस्य को रोजगार, सभी गांवों में चिकित्सा सुविधाएं, हर बच्चे को पांच किलोमीटर की परिधि में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, बेहतर संचार एवं बेहतर जीवन के अवसरों तक पहुंच।

विचार और कर्म में एकरूपता स्थापित करके भारतीय जनता पार्टी, अपने समस्त कार्यकर्ताओं के देश सेवा को एक सामाजिक और राजनैतिक जीवनदर्शन के रूप में स्थापित करना चाहती है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी 'महासम्पर्क अभियान' के द्वारा अपने प्रत्येक सदस्य के घर तक पहुंचेगी। विश्व के सबसे बड़े दल के रूप में भारतीय जनता पार्टी केवल संख्या तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि हमारा उद्देश्य जनसेवा के जीवन-दर्शन को घर-घर पहुँचाने का है।

भारतीय जनता पार्टी इन चुनौतियों को एक अवसर के रूप में देखती है। यह वर्ष हमारे लिए 'अंत्योदय' दर्शन के अनुसरण एवं आत्मसात् करने का वर्ष है। विचार और कर्म में एकरूपता स्थापित करके भारतीय जनता पार्टी, अपने समस्त कार्यकर्ताओं के देश सेवा को एक सामाजिक और राजनैतिक जीवनदर्शन के रूप में स्थापित करना चाहती है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी 'महासम्पर्क अभियान' के द्वारा अपने प्रत्येक सदस्य के घर तक पहुंचेगी। विश्व के सबसे बड़े दल के रूप में भारतीय जनता पार्टी केवल संख्या तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि हमारा उद्देश्य जनसेवा के जीवन-दर्शन को घर-घर पहुँचाने का है।

भारतीय मूल्यों पर आधारित लोकतान्त्रिक व्यवस्था में आस्था, विश्वास और आचरण के लिए भारतीय जनता पार्टी अपने सदस्यों और कार्यकर्ताओं के लिए नए प्रशिक्षण और प्रबोधन वर्गों को आयोजन शीघ्र ही शुरू होने जा रहा है। ■

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक
बेंगलुरु
3-4 अप्रैल 2015

यूपीए सरकार ने अमीरों के लिए देश बेचा : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के मुख्य बिन्दु

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के बेंगलुरु में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी को संबोधित किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से गरीबों के कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। श्री मोदी ने एनडीए सरकार की 10 माह की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया और इसका श्रेय भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की 'टीम भावना' को दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों के आरोपों का करारा जवाब देते हुए कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने अपने दस साल के शासन में अमीरों के लिए काम किया।

श्री मोदी ने भाजपा के 10 करोड़ सदस्य बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह को बधाई दी और कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा का संगठन सिर्फ चुनाव लड़ने के लिए नहीं बल्कि सिद्धांतों, आदर्शों और परंपराओं को निभाने के लिए राजनीति करे। भाजपा ऐसा काम करे जिससे विश्वो में भी लोकतंत्र के प्रति आस्थार जगे, भाजपा दुनिया के लिए एक राजनीतिक आदर्श बने यह हमारा सपना होना चाहिए। श्री मोदी ने जिले स्तर पर भाजपा कार्यालय की स्थापना के लिए भी भारतीय जनता पार्टी

के राष्ट्रीय अध्यद श्री अमित शाह की सराहना की।

श्री मोदी ने कहा कि अगले साल देश पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी मनाएगा। भारतीय जनता पार्टी को यह 'गरीब कल्याण वर्ष' के रूप में मनाना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं उन्हें दलित, गरीब, शोषित और वंचितों के लिए काम करना होगा। श्री मोदी ने कहा कि एक बार हम गरीबों के बीच जी कर देखें, उनके दु:ख सुख बांटकर देगें, बदलाव आना शुरू हो जाएगा। श्री मोदी ने मैला ढोने की कुप्रथा को खत्म करने के संबंध में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के आह्वान का भी स्वागत किया। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि यह कार्यक्रम महज अखबारों की सुर्खियों तक सीमित न रहे।

श्री मोदी ने कहा कि पार्टी का संगठन गरीबों के लिए काम करने में जुट जाए। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता लक्ष्य तय कर लें कि आने वाले समय में एक करोड़ गरीबों के घर में रसोई गैस पहुंचानी है। यह बहुत बड़ा कार्य होगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह के कार्य करते हुए पार्टी को सामर्थ्यवान और सशक्त बनाना है। श्री मोदी ने कहा कि हमारी सोच के केंद्र में दलित, शोषित, वंचित और गरीब होना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत इसलिए नहीं की कि विदेशी लोग आएंगे और कहेंगे कि भारत कितना साफ-सुथरा देश है। उन्होंने इसकी शुरुआत इसलिए की क्योंकि इससे गरीबों को फायदा होता है। उन्हों ने कहा कि विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक गरीबों को स्वच्छता के अभाव में बीमारी के चलते सात हजार रुपये प्रति व्यक्ति का नुकसान होता है। इसलिए उन्होंने यह कार्यक्रम शुरू किया।

श्री मोदी ने गरीबों के हितों की दुहाई देने वाली कांग्रेस पार्टी के दोहरे चरित्र को भी उजागर किया। श्री मोदी ने गुजरात का एक उदाहरण देकर बताया

कि जब उन्होंरने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर गरीब कल्याण मेला आयोजित किया तो किस तरह कांग्रेस पार्टी ने उनका विरोध किया था।

सरकार पर अमीरों के लिए काम करने का कथित आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी तथा अन्य विपक्षी दलों को करारा जवाब देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम पर आरोप लगता है कि यह अमीरों की सरकार है। लेकिन हकीकत तो यह है कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने अमीरों के लिए काम किया।

प्रधानमंत्री ने यूपीए सरकार के कार्यकाल में हुए घोटालों का उदाहरण देकर बताया कि किस तरह कांग्रेस की सरकार ने अमीरों के लिए काम किया। श्री मोदी ने कहा कि जो सरकार 'एक पर्ची' से ही कोयला खदान दे देती थी, क्या वह अमीरों की सरकार नहीं थी ? श्री मोदी ने कहा कि यूपीए सरकार ने अमीरों के लिए देश बेचा और गरीबों का पैसा भी अमीरों पर लुटाया।

श्री मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सरकार में आने के बाद कोयले की नीलामी का फैसला किया। अभी सिर्फ 20 खदानों की नीलामी हुई है और दो लाख करोड़ रुपये से अधिक धनराशि देश के खजाने में आ गई है। यह दो लाख करोड़ रुपये उन्हीं अमीरों की जेब से आया है। क्या भाजपा की सरकार अमीरों के लिए काम करती है?

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार ने संपत्ति कर (Wealth Tax) को खत्म कर दिया है जिससे मात्र 900 करोड़ रुपये टैक्स मिलते थे लेकिन सरकार ने इसकी जगह दूसरा टैक्स लगा दिया है जिससे 9,000 करोड़ रुपये देश की तिजोरी में आएंगे। क्या यह अमीरों की सरकार है ? अमीरों की तिजोरी से यह 9,000 करोड़ रुपये निकालने का काम भाजपा की सरकार ने इस साल के आम बजट में किया है। यह 9 हजार करोड़ रुपये आखिर किसके काम आएंगे। इससे गरीब को खाना मिलेगा, गरीब के लिए घर बनेगा। गरीब के लिए अस्पताल बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार ने संपत्ति कर (Wealth Tax) को खत्म कर दिया है जिससे मात्र 900 करोड़ रुपये टैक्स मिलते थे लेकिन सरकार ने इसकी जगह दूसरा टैक्स लगा दिया है जिससे 9,000 करोड़ रुपये देश की तिजोरी में आएंगे। क्या यह अमीरों की सरकार है? अमीरों की तिजोरी से यह 9,000 करोड़ रुपये निकालने का काम भाजपा की सरकार ने इस साल के आम बजट में किया है। यह 9 हजार करोड़ रुपये आखिर किसके काम आएंगे। इससे गरीब को खाना मिलेगा, गरीब के लिए घर बनेगा। गरीब के लिए अस्पताल बनेगा।

श्री मोदी ने कहा कि दिल्ली चुनाव से पहले इस तरह का दुष्प्रचार चलाया गया कि अमीर घरानों को मदद करने के लिए गैस की कीमत बढ़ाकर 16 डालर कर दी जाएगी। ऐसी बातें करके भाजपा के खिलाफ माहौल बनाया गया। लेकिन हकीकत यह है कि यूपीए सरकार जो अमीरों की सरकार थी, उसने गैस की कीमत 4.2 डालर प्रति एमएमबीटीयू को बढ़ाकर 8.4 डालर कर दिया। यूपीए ने अमीरों के पेट भरने के लिए गैस की कीमत दोगुनी कर दी। भाजपा ने सत्ता में आने के बाद इसे 8.4 डालर प्रति एमएमबीटीयू से घटाकर आज करीब पांच डालर से भी नीचे लाने का काम किया है। अगर यह अमीरों की सरकार होती तो क्या गैस की कीमत कम होतीं ? वास्तविकता यह है कि यह गरीबों की सरकार है इसलिए यह संभव हुआ है।

श्री मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि राजग सरकार पर जो झूठे हमले हो रहे हैं, उनका जवाब वे आंकड़ों के साथ पूरे आत्मविश्वास से दें। श्री मोदी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता गरीबों के लिए जीना जानते हैं। इसलिए भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार गरीबों की सरकार, दलितों, शोषितों और वंचितों की सरकार है।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे देश में भ्रष्टाचार होने के बाद इसकी चर्चा तो होती है लेकिन भ्रष्टाचार न हो, इस बारे में कोई नहीं सोचता। लोग लोकपाल की दुहाई देते हैं लेकिन इस बारे में कोई नहीं सोचता कि भ्रष्टाचार हो ही नहीं। अगर भ्रष्टाचार हो तो कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए और कोई भी नहीं बचना चाहिए। लेकिन हमारी कोशिश यह है कि भ्रष्टाचार हो ही नहीं। इसी कोशिश का परिणाम है कि भारतीय जनता पार्टी के सरकार में आने के बाद भ्रष्टाचार को लगाम लगी है।

श्री मोदी ने कहा कि यूपीए के कार्यकाल में सरकार एलईडी वल्व 310 रुपये में खरीदती थी लेकिन आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आशीर्वाद से भाजपा के शासन में वही वल्व 80 रुपये में आता है। इसी तरह यूपीए के कार्यकाल में सरकार सीमेंट का बैग

350 रुपये में खरीदती थी लेकिन आज भाजपा सरकार वही सीमेंट 150 रुपये में खरीद रही है। इस तरह भाजपा ने सत्ता में आने के बाद भ्रष्टाचार खत्म किया है, पारदर्शिता बढ़ाई है और सरकारी धन की लीकेज रोकी है। ईमानदारी कैसे लाई जा सकती है। यह इसका उदाहरण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार लोग सरकारी धन की चोरी करके देश को नुकसान पहुंचाते हैं, उसी प्रकार काम में अक्षमता भी देश को संकट में डालती है। श्री मोदी ने उदाहरण देकर समझाया कि जब अटलजी की सरकार थी तब देश में 11 किलोमीटर प्रतिदिन हाइवे बनता था। यूपीए सरकार के आने पर राजमार्ग दो किलोमीटर प्रतिदिन पर आ गया। आज भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रतिदिन 11 किलोमीटर राजमार्ग बन रहा है। इसलिए देश को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

श्री मोदी ने कहा कि यूपीए सरकार की तुलना में भाजपा सरकार की राजग सरकार ने बिजली उत्पादन में 30 प्रतिशत की वृद्धि की है। इसी तरह मात्र दस महीने में ट्रांसमीशन लाइनों में भी ऐतिहासिक वृद्धि की है। सरकार ने बिजली संयंत्रों को कोयला उपलब्ध कराया और उनकी हर समस्याओं को दूर किया।

श्री मोदी ने कहा कि देश को निर्णय में भी गति चाहिए और अमल करने में भी गति चाहिए।

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्वं में राजग सरकार को यह सफलता इसलिए मिली क्योंकि भाजपा के पास संसदीय अनुभव वाली वरिष्ठ नेताओं की टीम है जो लगातार उनका मार्गदर्शन करती है। श्री मोदी ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की टोली लगातार उन्हेंत मार्गदर्शन मिला है। उन्होंने जो सम्मान मिला है वह भाजपा की टीम के कारण और टीम भावना के कारण ही मिला है। ■

भाजपा समितियों का गठन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 4 अप्रैल को निम्नलिखित समितियों का गठन किया और उनके पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की:

1. अनुशासन समिति

श्री गणेशी लाल, हरियाणा (अध्यक्ष)
श्रीमती विजया चक्रवर्ती, सांसद, असम (सदस्य)
श्री सत्यदेव सिंह, पूर्व सांसद, उप्र (बिहार)

2. कार्यालय निर्माण समिति

- श्री मांगेराम गर्ग
- श्री पीयूष गोयल
- श्री सौदान सिंह
- श्री राकेश कुमार जैन
- श्री बलदेव राज शर्मा

3. आजीवन सहयोग निधि

- श्री अशोक धवन
- श्री अनिल जैन
- श्री श्याम जाजू
- श्री अनिल गोयल

4. संपर्क अभियान

- श्री भूपेंद्र यादव
- सुश्री सरोज पांडेय
- श्री बी.एल. संतोष
- श्री कैलाश विजयवर्गीय

5. प्रशिक्षण

- श्री पी. मुरलीधर राव
- श्री वी. सतीश
- श्री रामप्यारे पांडेय
- श्री महेश शर्मा
- श्री ला. गणेशन
- श्री बालाशंकर
- श्री सुरेश पुजारी

6. कार्यालय आधुनिकीकरण

- श्री अरुण सिंह
- श्रीमती पूनम महाजन
- श्री महेंद्र पांडेय
- इंजी. अरुण कुमार जैन
- श्री मोहन राजुलु

7. स्वच्छता अभियान

- श्री प्रभात झा
- श्री पुरुषोत्तम रूपाला
- श्री जगत प्रकाश नड्डा
- श्री विजय गोयल
- श्री माखन सिंह

8. बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ

- डॉ. राजेंद्र फड़के
- श्रीमती रेणु देवी
- श्रीमती निर्मला सीतारमण
- श्री एच. राजा
- श्री तरुण चुघ
- श्री बी.एस. माथुर

9. नमामि गंगे

- श्री त्रिवेंद्रम रावत
- श्री प्रकाश जावडेकर
- सुश्री उमा भारती
- श्री रजनीश कुमार
- श्री शिवप्रकाश
- श्री हृदयनाथ सिंह

हमारी है गरीब के कल्याण की जिम्मेदारी : अमित शाह

हमारे संवाददाता द्वारा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 6 अप्रैल 2015 को भाजपा केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित भाजपा के 35वें स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। श्री शाह ने इस अवसर पर कहा कि सिद्धांतों, नेताओं और कार्यक्रमों के मानक पर भारतीय जनता पार्टी सर्वश्रेष्ठ पार्टी है। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने देश के विकास के लिए, गरीबों, मजदूरों, वंचितों, महिलाओं और युवाओं सहित समाज के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए हैं इसलिए भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे इन कार्यों को जनता तक पहुंचाएं। श्री शाह ने भारतीय जनता पार्टी के दो नए कार्यक्रम- संपर्क अभियान और प्रशिक्षण अभियान शुरू करने की घोषणा भी की।

श्री शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत भाजपा कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई देकर की। श्री शाह ने बताया कि भाजपा की स्थापना क्यों हुई, वह कैसे अस्तित्व में आई, भाजपा की अब तक की राजनीतिक यात्रा कैसी रही और पार्टी को आगे क्या करना है। उन्होंने कहा कि अगर हम इन बातों को ठीक से समझ लेते हैं तो आज देश के राजनीतिक परिदृश्य में जिस तरह पार्टी की जो जिम्मेदारी है उसका निर्वहन करने में हमें बड़ी सरलता महसूस होगी और हम ठीक से अपनी जिम्मेदारी को पूरा कर पाएंगे।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा की यात्रा दो कालखंड में बंटी हैं। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा की स्थापना। जनसंघ की स्थापना श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में दस-ग्यारह युवाओं को साथ लेकर हुई। दुनिया की सभी राजनीतिक पार्टियों के इतिहास में यह यात्रा सबसे रोमांचक और संघर्षपूर्ण रही है। भारतीय जनता पार्टी ऐसी पार्टी है जिसने देश के भले के लिए और समस्याओं के समाधान के लिए कार्यक्रम बनाए, संघर्ष किया और सत्ता पर पहुंचकर आज उसके निवारण के लिए कार्यरत है। ये तीनों स्टेज शायद ही किसी पार्टी के सामने आए हैं।

श्री शाह ने कहा कि जनसंघ की स्थापना के समय देश में कांग्रेस का शासन था। उस समय दूरदृष्टि रखने वाले जनसंघ के संस्थापकों ने देखा कि देश के विकास की नींव पाश्चात्य विचारों पर रखी जा रही है। चाहे वह देश की विदेश नीति हो, आर्थिक नीति हो, औद्योगिक नीति हो, कृषि नीति हो या बहुत महत्वपूर्ण शिक्षा नीति। इन सब नीतियों का का आधार पाश्चात्य विचारों पर था। देश की नींव जिन विचारों के आधार पर रखी जा रही थी उसमें कहीं भी देश की माटी की सुगंध नहीं थी। देश के मूल विचारों का उसमें स्थान नहीं था। उस वक्त उन मनीषियों को लगा

कि देश अगर लंबे समय तक इस रास्ते पर चला तो देश भटक जाएगा और देश अपने गंतव्य स्थान पर नहीं पहुंच पाएगा। इसलिए एक अलग विचार रखने के लिए जनसंघ की स्थापना की गई। उस वक्त लोगों को मालूम नहीं था कि एक दिन यह विचार जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी के रूप में इतने व्यापक स्तर पर देश में प्रसारित होगा और एक दिन भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार आएगी। उस वक्त आशय सिर्फ इतना था कि एक अलग विचार रखकर इस देश की नीतियों को प्रभावित करें। एक अलग सोच देश की मीडिया क सामने तथा लोगों के सामने रखें और जो नीति निर्धारक बने हैं उनकी आत्मा को जाग्रत करने का काम करें। यह एक विनम्र प्रयास जनसंघ के माध्यम से किया गया था।

श्री शाह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का विचार दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। 50 साल पहले बना हुआ यह चिंतन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। एकात्म मानववाद का चिंतन शाश्वत और कालजयी है। एकात्म मानववाद में पूरे देश का कल्याण करने की क्षमता है और यह चिंतन हमारे विचारों का आधार है। हमें गौरव होना चाहिए कि हम ऐसे चिंतन को लेकर चलते हैं जो सिर्फ देश की सीमाओं तक नहीं है उससे पूरी दुनिया का भला हो सकता है। यही चिंतन हमारे काम का आधार बना है।

श्री शाह ने कहा कि किसी पार्टी का मूल्यांकन तीन मानकों पर किया जा सकता है– सिद्धांत, नेता और कार्यक्रम। 1951 में जनसंघ से लेकर 2015 तक भाजपा की यह यात्रा पूरे विश्व के सामने इन तीनों मानदंडों पर मूल्यांकन के लिए खुली पड़ी है। समय जब इसका मूल्यांकन करेगा तो विश्व की सभी पार्टियों में भारतीय जनता पार्टी को सर्वोच्च स्थान देने के अलावा कोई दूसरा विकल्प किसी के पास नहीं होगा।

- **डॉ. मुखर्जी के नेतृत्व में 10-12 नवयुवकों ने मिलकर जिस पार्टी की नींव रखी आज वह लगभग 10 करोड़ सदस्यों वाली विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गयी है।**
- **दुनिया की सभी राजनीतिक पार्टियों के इतिहास में हमारी राजनीतिक यात्रा सबसे रोमांचक और संघर्षपूर्ण रही है।**
- **एकात्म मानववाद का चिंतन शाश्वत और कालजयी है।**
- **सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद का चिंतन और भाजपा की स्थापना के समय पंचनिष्ठाओं की घोषणाएं, इसी के आधार पर भाजपा चली है।**
- **नवनिर्माण और पुनर्निर्माण दो शब्द हैं जो कांग्रेस और भाजपा की विचारधारा में अंतर स्पष्ट करते हैं।**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार मतों के पीछे न भागकर देश के दीर्घकालिक विकास और विश्व में भारत को अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए काम कर रही है।**

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी शुद्ध भारतीय चिंतन पर अपने सिद्धांत बनाने वाली पार्टी है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद का चिंतन और भाजपा की स्थापना के समय पंचनिष्ठाओं की घोषणाएं, इसी के आधार पर भाजपा चली है। भाजपा की विचारधारा में समूचे देश के सर्वसमावेशक विकास का विचार रहा है। अंत्योदय से लेकर समाज के हर तबके के व्यक्ति के लिए इसमें जगह है। इतना व्यापक चिंतन भारतीय जनता पार्टी का है।

श्री शाह ने कांग्रेस और भाजपा के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि देश जब आजाद हुआ तो कांग्रेस कहती थी कि देश का नवनिर्माण होना चाहिए जो पुराना है वह काम का नहीं है। जो पुराना था वो विफल रहा है। इसलिए उसे बदल डालिए और नया बनाइये। भाजपा कहती है कि कि देश का पुनर्निर्माण होना चाहिए। जो पुराना था वह श्रेष्ठ था। इसलिए जो नया श्रेष्ठ है उसे स्वीकार कीजिए और देश को आगे ले जाइये। नवनिर्माण और पुनर्निर्माण दो शब्द हैं जो कांग्रेस और भाजपा की विचारधारा में अंतर स्पष्ट करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी की त्यागशील नेतृत्व परंपरा का उदाहरण देते हुए श्री शाह ने कहा कि हम बहुत किस्मत वाले कार्यकर्ता हैं जिन्हें एक ऐसे नेतृत्व की परंपरा मिली है जिनके जीवन में सिर्फ त्याग था और उसके अलावा कुछ नहीं था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने अपने जीवन का बलिदान दिया। उसके बाद अटलजी, आडवाणीजी और नानाजी देशमुख, भाई महावीर, सुंदर सिंह भंडारी, कुशाभाऊ ठाकरे जैसे अनेकानेक नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

श्री शाह ने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कुछ लोग सादगी और आम आदमी होने की बात करते हैं। लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि भाजपा के तो ऐसे कई नेता थे जिनके जन्म से मृत्यु तक कभी बैंक

खाता भी नहीं रहा। हमारे पास ऐसे नेता था जिनके जीवन में कभी घर नहीं बना, कार्यालय को ही घर बनाकर चले, जिनके जीवन में भी परिवार नहीं रहा, उन्होंने पूरे देश को परिवार मानकर अपना जीवन न्यौछावर किया। लेकिन मेरी पार्टी ने और पार्टी के नेताओं ने कभी इसकी मार्केटिंग नहीं की। त्याग भुनाने की चीज नहीं है।

त्याग एक तपस्या और देश की समस्याओं के निवारण का यशस्वी मार्ग है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को त्याग को भुनाने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए, यह हमारे नेताओं ने हमें सिखाया है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी से लेकर नरेन्द्र मोदी तक और दीनदयालजी से लेकर आज देशभर में फैले हजारों प्रचारकों ने अपने जीवन का लक्ष्य इसी तप को बनाया है।

श्री शाह ने कहा कि सैकड़ों पार्टियां चुनाव आयोग से पंजीकृत हैं लेकिन आंतरिक लोकतंत्र सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में ही है। इसका उदाहरण वह स्वयं हैं जो गुजरात में एक बूथ कार्यकर्ता से आज भाजपा अध्यक्ष के पद तक पहुंचे हैं। इस पार्टी में ऐसी स्वतंत्रता है कि कोई बड़े घराने में जन्म लिए बगैर, किसी बड़ी राजनीतिक पृष्ठभूमि के बगैर एक चाय बेचने वाला व्यक्ति भी इस देश का प्रधानमंत्री बन सकता है। यह विशिष्टता आज भाजपा के अलावा किसी अन्य पार्टी में नहीं है। हमें गर्व होना चाहिए कि हम ऐसी पार्टी के कार्यकर्ता हैं जिसका संगठन नेता बनने का प्लेटफार्म है।

श्री शाह ने कहा कि देश में 12 राज्यों में भाजपा की सरकार है तथा केंद्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी आज अधिक है। गरीब के कल्याण की जिम्मेदारी हमारी है। देश के किसानों को सम्पन्न करने की जिम्मेदारी हमारी है। देश का मजदूर अपना जीवन यापन सरलता से कर सके यह जिम्मेदारी हमारी है। यह हम सबका दायित्व है कि इन जिम्मेदारियों को पूरा करें।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा की स्थापना किसी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए नहीं हुई थी। यह पार्टी भारत माता को विश्वगुरु के स्थान पर बिठाने के लिए बनी थी। आज देश के लिए जीने की जिम्मेदारी है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार मतों के पीछे न भागकर देश के दीर्घकालिक विकास और विश्व में भारत को अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए काम कर रही है। ऐसे में देशभर के हमारे कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि हम इस बात के वाहक बनें। इस बात को लेकर लोगों के बीच में जाएं। हमारे विचार के विरोधी और मीडिया के कुछ लोग यदि भ्रांति फैलाते हैं तो जनता को सच बताने की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी की है।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के विकास के लिए बहुत अच्छे कार्यक्रम शुरू किए हैं। उन्हें भरोसा है कि श्री नरेन्द्रभाई मोदी के नेतृत्व में पार्टी जब दुबारा जनादेश प्राप्त करने जाएगी तो इससे भी अधिक सीटें लेकर आएगी।

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता केरियर ओरियंटेड सोच न रखे। पद की जगह पार्टी के विचार को मन में रखे। अपने आप की जगह देश और पार्टी का विचार करे। प्रसिद्धि और पद तो परिश्रम के पीछे-पीछे आती हैं। इसकी आकांक्षा करने की जरूरत नहीं है।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारत का स्थान दुनिया में मजबूत स्थिति में पहुंचाने के लिए काम कर रही है। यह सरकार देश के किसान, मजदूर, गरीब और वंचितों के लिए अनेक कार्यक्रम लेकर आई है। देश की सुरक्षा, सुदृढ़ विदेश नीति और मजबूत आर्थिक विकास की नींव डालने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है। युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए भी यह पार्टी काम कर रही है। हमें सरकार और पार्टी के कार्यक्रमों को जनता के बीच में ले जाना चाहिए। सरकार जो काम कर रही है उसके पीछे रहें और सरकार के कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा की सदस्य संख्या 9.5 करोड़ को पार कर गई है। सदस्यता अभियान के बाद पार्टी के दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आने वाले हैं- संपर्क अभियान और प्रशिक्षण अभियान। हमारे कार्यकर्ताओं ने जितनी मेहनत से सदस्यता अभियान में काम किया है, उतनी मेहनत से संपर्क और प्रशिक्षण अभियानों में भी काम करने की जरूरत है।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने जनसंघ के स्थापना के प्रत्यक्षदर्शी एवं सहभागी रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा का अभिनंदन भी किया।

इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री श्री एम वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री श्री थावरचंद गहलौत और भाजपा के संगठन महासचिव श्री रामलाल सहित कई शीर्ष नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने किया। ■